जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 321 ● रायपुर, सोमवार 16 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787

संक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश के खरगोन में महसूस किए गए भूकंप के झटके

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर यह भूकंप आया, जिसकी रिएक्टर स्केल पर तीव्रता 4.5 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, खरगोन में भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था। यह 21.59 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.552 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भूकंप की गहराई कम होने के कारण केंद्र के आसपास के इलाकों में कंपन महसूस हुई। इस संबंध में स्थानीय नागरिकों ने भी पुष्टि की। फिलहाल, किसी जनहानि या नुकसान की कोई जानकारी नहीं है। इससे पहले, एनसीएस ने जम्मू-कश्मीर के डोडा में भी भूकंप आने की जानकारी दी।

गांधी परिवार पर सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कंगना रनौत के खिलाफ एफआईआर दर्ज

शिमला । हिमाचल प्रदेश पुलिस ने शिमला में भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ उनके सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर एफआईआर दर्ज की है। इन पोस्ट में गांधी परिवार को निशाना बनाया गया था। यह एफआईआर एक शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उनके बयान भड़काऊ थे और उनसे सार्वजनिक शांति भंग होने का खतरा था। यह मामला शुक्रवार को शिमला के रहने वाले रिटायर्ड कैप्टन अतुल शर्मा की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया। अपनी शिकायत में शर्मा ने बताया कि 10 नवंबर को कंगना रनौत ने अपने वेरिफाइड सोशल मीडिया अकाउंट से कई पोस्ट शेयर किए। इन पोस्ट में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके बेट संजय गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मौतों को लेकर बेहद भड़काऊ इशारे किए गए थे। शिकायतकर्ता ने कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी के बारे में की गई टिप्पणियों पर भी आपत्ति जताई। आरोप है कि इन पोस्ट में सोनिया गांधी को एक रहस्यमयी विदेशी नागरिक के रूप में पेश किया गया था।

मथुरा में 16-17 नवंबर को भाजपा कोर ग्रुप की बैठक, नितिन नवीन और सीएम योगी समेत जुटेंगे दिग्गज नेता

लखनऊ। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अगले सप्ताह मथुरा में कोर ग्रुप की दो दिवसीय बैठक आयोजित करेगी। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के भी अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ शामिल होने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी मथुरा में 16-17 नवंबर को बैठक आयोजित करेगी।

बस्तर में बंदूक की जगह खेल के मैदान

भय और हिंसा की जगह विश्वास एवं विकास का नया वातावरण-नवीन

■ जनजातीय समाज का सम्मान, स्वाभिमान और समृद्धि हमारी सरकार का संकल्प: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर/ संवाददाता

श्री नितिन नवीन ने आज रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ स्थित ऐतिहासिक दशहरा मैदान में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही। राज्यसभा सांसद श्री नितिन नवीन ने समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वीरों, बलिदानियों और समृद्ध जनजातीय संस्कृति की पावन धरती है। श्री नवीन ने कहा कि उनकी हार्दिक इच्छा इस ऐतिहासिक आयोजन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने की थी, लेकिन प्रतिकूल मौसम के कारण वे उपस्थित नहीं हो



सके। श्री नवीन ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को भव्य आयोजन के लिए विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और परंपराओं को सम्मान मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ प्रदेशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह ने पूरे छत्तीसगढ़ में गौरव और आत्मसम्मान का वातावरण निर्मित किया है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर, शहीद गेंद सिंह, तिलका मांझी, बुधु भगत, टंट्या भील और लक्ष्मण नायक सहित देश के महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। श्री नवीन ने कहा कि जनजातीय समाज सदैव भारत की संस्कृति, सभ्यता, स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता का सशक्त प्रहरी रहा है। प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने की जनजातीय परंपरा आज पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के गोंड, उरांव, कंवर, बैगा, कमार, हल्बा, मुरिया और माड़िया सहित सभी जनजातीय समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि इन समुदायों की लोककलाएँ, लोकनृत्य, पर्व और परंपराएँ छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान हैं।

भगवान बिरसा मुंडा का बलिदान जनजातीय अस्मिता और स्वाभिमान का प्रतीक-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय समाज का सम्मान, उसकी गौरवशाली संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण तथा प्रत्येक जनजातीय परिवार तक विकास पहुँचाना हमारी सरकार का संकल्प है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास, आर्थिक सशक्तिकरण और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। भगवान बिरसा मुंडा सहित हमारे महान जनजातीय जननायकों ने जिस स्वाभिमानी, सशक्त और समृद्ध समाज का सपना देखा था, उसे साकार करना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बाइक छुड़ाने पहुंचे दो युवक गिरफ्तार

जिला कलेक्टर का जाली आदेश एआई से बनाया...



दुर्ग । दुर्ग जिले के भिलाई में आबकारी मामले में जब्त अपनी मोटरसाइकिल को छुड़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का सहारा लेकर कलेक्टर का जाली आदेश बनाने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने इस फर्जी सरकारी आदेश को भिलाई के सेक्टर-1 स्थित आबकारी कार्यालय में प्रस्तुत किया था। अधिकारियों को दस्तावेज पर संदेह होने के बाद मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के पास से फर्जी आदेश की प्रति और अपराध में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि प्रार्थी भोजराम रत्नाकर ने भिलाई भट्ठी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि दो युवक आबकारी नियंत्रण कक्ष पहुंचे थे। दोनों ने वर्ष 2025 के ए आबकारी प्रकरण में जब्त अपनी होंडा एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल को वापस पाने के लिए दुर्ग कलेक्टर के नाम से जारी आदेश पेश किया।



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेरठ में आयोजित 'पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह' में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पूर्व सैनिकों से मुलाकात की और कार्यक्रम में सहभागिता की। समारोह में पूर्व सैनिकों की मौजूदगी रही।

अब भारत लाना कितना मुश्किल?

ललित मोदी को मिली ब्रिटिश नागरिकता.....



नई दिल्ली। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने ब्रिटिश नागरिकता हासिल करने का दावा किया है। उन्होंने 14 नवंबर 2026 को सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इसकी घोषणा की। ललित मोदी ने कहा कि उन्हें ब्रिटिश नागरिक होने पर गर्व है। उन्होंने इसे अपने जीवन का नया अध्याय बताया। ललित मोदी ने कहा कि 14 नवंबर को उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनियन को संबोधित करने का अवसर मिला। इसी दौरान उन्होंने अपने जीवन की एक खास और व्यक्तिगत उपलब्धि सार्वजनिक की। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर 2026 को परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में उन्होंने ब्रिटिश नागरिकता मिलने का जश्न मनाया था। यह समारोह हमेशा उनके दिल के करीब रहेगा। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकता को अपने लिए गर्व, कृतज्ञता और ज़िम्मेदारी से जुड़ा एक विशेष अवसर बताया.

कांग्रेस को 30 साल इंतजार करना होगा

शाह का राहुल पर हमला: कहा- भारत को बदनाम करने से सत्ता नहीं मिलेगी

नई दिल्ली/ एजेंसी



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हैदराबाद में आयोजित कांग्रेस की भारत समिट 2026 को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा है। पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत और देश की विकास यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि अगर उन्हें सत्ता हासिल करनी है तो विदेश यात्राएं छोड़कर देश के गांवों में जाना शुरू करें। कांग्रेस की भारत समिट में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2014 के बाद देश में लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हुई हैं। साथ ही उन्होंने विपक्ष की लड़ाई को सत्य, अहिंसा और प्रेम पर आधारित बताया था। अमित शाह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने से राहुल गांधी को सत्ता हासिल नहीं होगी। अगर उन्हें सत्ता में आना है तो विदेश यात्राएं छोड़कर भारत के गांवों में जाना चाहिए। शाह ने कहा कि पूरी दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा कर रही है, जबकि राहुल गांधी देश की विकास यात्रा को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सत्ता चाहिए तो विदेश की यात्राएं बंद करके भारत के गांवों में जाना शुरू करिए, तो शायद आपका नंबर कभी लग जाए। गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी लगातार तीन बार हारने की निराशा अलग-अलग तरीकों से निकाल रही है।

आईएमडी ने 20 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान जताया

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं का पूर्वानुमान जताया है। आने वाले दिनों में अलग-अलग क्षेत्रों में मौसम की स्थिति अलग-अलग रहने की संभावना है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार को उत्तर प्रदेश और बिहार सहित लगभग 20 राज्यों में मौसम खराब रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। मौसम विभाग ने दक्षिण भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के पहाड़ी इलाकों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी चेतावनी दी है। बारिश और तेज हवाओं के कारण 10 से ज्यादा राज्यों में तापमान 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

भूपेश बघेल के बेटे पर बड़ा एक्शन

ईडी ने जब्त किया चैतन्य का रियल एस्टेट प्रोजेक्ट, 26 करोड़ की प्रॉपर्टी

रायपुर/ संवाददाता



छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की संपत्ति पर कार्रवाई की है। ईडी ने चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन्स प्रोजेक्ट की संपत्ति को जब्त कर लिया है। भिलाई में 30 प्लॉट और फ्लैट सीज, कर लिये गए हैं तथा ईडी ने कुर्की का बोर्ड लगा दिया है। ईडी ने शराब घोटाले में यह कार्रवाई की है। मामले की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने दुर्ग जिले के जांगिरी गांव में स्थित 'विट्ठल ग्रीन्स' परियोजना में एक बोर्ड लगाकर और आदेश की प्रति चिपकाकर यह प्रक्रिया पूरी की। अधिकारियों के अनुसार चैतन्य बघेल ने अपने स्वामित्व वाली कंपनी 'बघेल डेवलपर्स' के जरिए इस परियोजना को विकसित किया था। चैतन्य बघेल के खिलाफ कार्रवाई के तहत नवंबर 2025 में इस संपत्ति के साथ अन्य परिसंपत्तियों को भी अस्थायी रूप से कुर्क किया था। इन सभी संपत्तियों का कुल मूल्य 61.2 करोड़ रुपये है। अधिकारियों ने बताया कि पीएमएलए के निर्णायक प्राधिकरण ने मार्च में इस अस्थायी आदेश की पुष्टि कर दी थी, जिसके बाद ईडी ने 'विट्ठल ग्रीन्स' को अपने कब्जे में ले लिया। इस परियोजना में कई आवासीय भूखंड शामिल हैं। छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री केदार कश्यप ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की संपत्ति पर श्वेत द्वारा नोटिस चस्पा किए ।

राष्ट्रपति-पीएम समेत नेताओं ने देशवासियों को दी बधाई

छठ पर्व का उत्साह....अस्ताचलगामी सूर्य को व्रतियों ने दिया अर्घ्य...

नई दिल्ली/ एजेंसी

छठ महापर्व के संध्या अर्घ्य पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत कई नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। छठ महापर्व को लेकर बिहार में इस बार खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पर्व मनाने के लिए देश के अलग-अलग महानगरों और विदेशों में रहने वाले करीब 50 लाख लोग अपने घर लौटे हैं। इनमें दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों में रहने वाले लोग भी शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 40 लाख लोग ट्रेन से बिहार पहुंचे हैं, जबकि लगभग 10 लाख लोग हवाई जहाज, बस और निजी वाहनों के जरिए अपने घर लौटे हैं। लोक आस्था के इस महापर्व पर बिहार के गांवों से लेकर शहरों तक छठ गीतों और भक्ति का माहौल है। घाटों की साफ-सफाई, रोशनी, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं। रविवार शाम को व्रती नदी, तालाब और अन्य जलाशयों में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगी। इसके बाद सोमवार सुबह उगते सूर्य को दूसरा अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा। कोलकाता में छठ महापर्व के अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पूजा समारोह में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा के आयोजन में भाग लिया और श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर पर्व की खुशियों में



सहभागिता की। छठ महापर्व के अवसर पर घाटों पर भक्तिमय माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए जुटे। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को चार दिवसीय छठ महापर्व के तीसरे अनुष्ठान संध्या अर्घ्य के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने छठी मैया और अस्ताचलगामी सूर्य से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की। दिल्ली में छठ पूजा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार घाट पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने छठी मैया की आराधना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। छठ महापर्व के तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। इसे संध्या अर्घ्य कहा जाता है। इस दिन व्रती पूरे परिवार के साथ नदी, तालाब या जलाशय के किनारे पहुंचते हैं। वहां पानी में खड़े होकर बांस के सूप और दउरा में रखे ठेकुआ, फल, नारियल, गन्ना और अन्य पूजन सामग्री से सूर्यदेव की आराधना करते हैं। इसके बाद सूर्यास्त के समय उन्हें जल और दूध से अर्घ्य अर्पित किया जाता है।

36 घंटे से निर्जला व्रत कर रही महिलाएं जुटी नदी घाट पर

रायपुर। देशभर में आज छठ का महापर्व मनाया जा रहा है. 36 घंटे से निर्जला व्रत कर रहीं महिलाएं आज अस्ताचल (डूबते हुए) सूर्य देव को अर्घ्य देकर पूजा-अर्चना करेंगी. माहौल को खुशगवार बनाने के लिए मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है. एक तरफराजधानी रायपुर में महादेव घाट में तो दूसरी ओर बलौदा बाजार के पिपरहा तालाब में व्रती महिलाएं परिवार से साथ पहुंची हैं. पिपरहा तालाब में इस बार नगरपालिका द्वारा नये घाट का निर्माण किया गया है. व्रती महिलाओं ने बताया कि छठ महापर्व नहाय खाय से प्रारंभ होता है, और अस्ताचल सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है. वहीं दूसरे दिन उदयमान सूर्य देव को अर्घ्य देकर व्रत खोला जाता है. यह व्रत परिवार की सुख-समृद्धि खुशहाली एवं परिवार के आरोग्यता के साथ संतान प्राप्ति व सुख-समृद्धि के लिए किया जाता है. छठ महापर्व पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर जिले के तपकरा पहुंचे हैं।

जगदलपुर में बाल वैज्ञानिकों का कुंभ एआई से लेकर हरित ऊर्जा तक के नवाचारों से दिया 'विकसित भारत' का संदेश

भुजबल बघेल

जगदलपुर बकावंड जनता के गोठ ।स्थानीय समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए जगदलपुर के जगतु माहरा शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जिला एवं जोन स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी, पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता सत्र 2026-27 का आयोजन किया गया।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद छत्तीसगढ़, जिला शिक्षा कार्यालय जगदलपुर तथा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य विषयवस्तु ÷सतत एवं विकसित भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार÷ रही। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एआर नोन्हारे के मार्गदर्शन और नोडल प्राचार्य श्री बीएस रामकुमार के निर्देशन में आयोजित इस समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ एडीपीओ समग्र शिक्षा श्रीमती जयंती कश्यप एवं प्राचार्य श्री बी.एस. रामकुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा और शैक्षिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रभारी श्रीमती दीप्ति ठाकुर ने आयोजन की प्रस्तावना प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्राचार्य श्री बी.एस. रामकुमार ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि विज्ञान केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह जीवन को सरल, सुरक्षित और बेहतर बनाने का माध्यम है, इसलिए विद्यार्थियों को निरंतर प्रश्न पूछने और प्रयोग करने का प्रयास करना चाहिए। वहीं विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित श्री जयनारायण पाणिग्रही ने बाल वैज्ञानिकों की कल्पनाशीलता और वैज्ञानिक सोच को देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बताया।



प्रदर्शनी के प्रथम चरण में बस्तर जिले के सातों विकासखंडों से चयनित विद्यार्थियों व शिक्षकों ने जिला स्तर पर हिस्सा लिया, जिसके पश्चात जोन स्तरीय प्रतियोगिता में बस्तर और कोंडागांव जिले के लगभग 320 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी के साथ-साथ व्यक्तिगत एवं समूह परियोजना, विज्ञान नाटिका, विज्ञान प्रश्न मंच, विज्ञान क्लब गतिविधियां, शिक्षक संगोष्ठी और शिक्षक टीएलएम जैसी विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), हरित ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, गणितीय मॉडलिंग, स्वास्थ्य व स्वच्छता तथा स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों पर आधारित एक से बढ़कर एक कार्यकारी मॉडल प्रस्तुत किए। इन मॉडलों के बीच कृषि की आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ बीमार एवं जरूरतमंद मरीजों की सुविधा के लिए तैयार किया गया 'स्वचालित बेड' आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा, जिसने विज्ञान के व्यावहारिक उपयोग को बखूबी दर्शाया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर करीब 45 प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जो आगामी चरण में बस्तर जोन का प्रतिनिधित्व करेंगे।

समारोह में विशेष अतिथि के रूप में श्री सचिन करेकर एवं श्रीमती पूर्णिमा सरोज की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन को सफल बनाने में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री राजेश गुप्ता, श्री हुर्दानंद पांडेय, श्री सोमेश दास, श्री आशीष दास, श्री शाहिद जुबेर, श्री विकास कुमार साहू, श्री हरेंद्र राजपूत, श्री तुला दास मानिकपुरी, श्री मुरलीधर पटेल, श्री मनीष कुमार अहीर, श्रीमती सुजाता दास, श्रीमती प्रज्ञा खोबरागड़े एवं श्रीमती त्रिशा देवांगन सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों, निर्णायकों एवं विज्ञान प्रेमियों का विशेष योगदान रहा। मंच का प्रभावी संचालन श्री हरेंद्र राजपूत व श्री मनीष कुमार अहीर ने किया, जबकि कार्यक्रम के अंत में प्रभारी श्रीमती दीप्ति ठाकुर ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह पूरा आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ।

कलेक्टर ने ईट तोड़ा और कहा ऐसी मटेरियल दोबारा दिखनी नहीं चाहिए, निर्माणधीन पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास भवन का किया निरीक्षण करने पहुंची थी कलेक्टर

गुणवत्तायुक्त निर्माण के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता भी परखी



महबूब खान/ क वर्धा,

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने आज बोड़ला विकासखंड के प्रवास के दौरान विकासखंड मुख्यालय बोड़ला में निर्माणाधीन पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास भवन के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्रावास भवन का निर्माण निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध हो सके। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाटिल उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर प्रजापति ने छात्रावास भवन निर्माण में उपयोग की जा रही ईंट एवं अन्य निर्माण सामग्री का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की पड़ताल करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन निर्माण में निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तायुक्त सामग्री का ही उपयोग किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि छात्रावास भवन विद्यार्थियों की सुविधा और उनके बेहतर शैक्षणिक वातावरण के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने तथा समय-समय पर गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हो, इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। शासन की मंशा के अनुरूप विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

मंगल साय की मौत पर परिवार का समझौते से इनकार; एक करोड़ मुआवजा, परिजन को स्थायी नौकरी और स्वतंत्र SIT जांच की मांग

नवनीत चाँद के नेतृत्व में बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं जनता कांग्रेस (जे) का प्रतिनिधिमंडल ग्राम टूटीदेवड़ा पहुंचा; शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर व्यक्त की संवेदना, निष्पक्ष जांच के लिए आवेदन और न्याय की लड़ाई में परिवार को दिया साथ।



ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

बस्तर। नगरनार NMDC स्टील प्लांट में 10 नवंबर को हुई हॉट मेटल दुर्घटना में ऑपरेटर मंगल साय की मौत के बाद आज बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोर्चा के मुख्य संयोजक नवनीत चाँद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल बकावंड ब्लॉक के ग्राम टूटीदेवड़ा पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और न्याय की लड़ाई में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया।

मुलाकात के दौरान मृतक की पत्नी ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी समझौते में शामिल नहीं थीं। परिवार ने किसी दबाव में समझौता स्वीकार करने से इनकार करते हुए पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र जांच की मांग की। संगठन ने परिवार की मांगों के समर्थन में उच्चस्तरीय SIT गठन एवं निष्पक्ष जांच के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने की पहल की है।

मृतक परिवार की 7 सूत्रीय प्रमुख मांगें

1. एक करोड़ रुपये मुआवजा - मृतक के परिवार को सम्मानजनक आर्थिक सहायता दी जाए।

2. स्थायी नौकरी - परिवार के एक योग्य सदस्य को NMDC में स्थायी रोजगार दिया जाए।

3. उच्चस्तरीय SIT - हादसे की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच के लिए SIT गठित की जाए।

4. तकनीकी साक्ष्य सुरक्षित हों - CCTV, PLC/SCADA, क्रेन लॉग, मशीनरी एवं ड्यूटी रिकॉर्ड सुरक्षित रखे जाएं।

5. पांच साल का सुरक्षा ऑडिट - 2021 से 2026 तक के सुरक्षा ऑडिट, SOP, वर्क परमिट एवं ऑपरेटर प्रशिक्षण की जांच हो।

6. जवाबदेही तय हो - लापरवाही या सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर जिम्मेदारों के विरुद्ध कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई हो।

7. कथित समझौते की जांच - मृतक की पत्नी एवं परिवार की सहमति और समझौते की पूरी प्रक्रिया की जांच हो।

16 राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कारों के बावजूद श्रमिक सुरक्षा पर सवाल, NMDC प्रबंधन जवाब दे

NMDC प्रबंधन को प्राप्त 16 राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कारों के बावजूद कार्यस्थल पर श्रमिक की मौत होना सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता और जवाबदेही की समीक्षा की मांग करता है। पुरस्कारों से अधिक महत्वपूर्ण श्रमिकों का जीवन है। इस मामले को केवल आंतरिक जांच तक सीमित न रखकर स्वतंत्र एवं पारदर्शी जांच कराई जाए।

नवनीत चाँद ने कहा—

मंगल साय के परिवार का दुख हम सबका दुख है। आज हमारी प्राथमिकता परिवार को न्याय दिलाना और औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित कराना है। मृतक की पत्नी जब कह रही हैं कि वह किसी समझौते में शामिल नहीं थीं, तो इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। हमारी तीन प्रमुख मांगें हैं—एक करोड़ रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को हस्ताक्षर में स्थायी नौकरी और स्वतंत्र स्ट्रक्चर जांच। श्रमिक की जान की कीमत किसी कागजी औपचारिकता से तय नहीं हो सकती। हम परिवार के साथ न्याय की इस लड़ाई में खड़े रहेंगे।÷

बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) की स्पष्ट मांग है कि NMDC प्रबंधन एवं जिला प्रशासन परिवार की मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई करें, स्वतंत्र जांच सुनिश्चित करें और श्रमिक सुरक्षा की जवाबदेही तय करें।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में संभागीय सचिव नीलाम्बर भद्रे, चित्रकोट विधानसभा अध्यक्ष कमल बघेल, जगदलपुर कार्यकारी अध्यक्ष ओम मरकाम, बस्तर ग्रामीण जिला अध्यक्ष संतु कश्यप, ओम प्रकाश रजक सहित मृतक परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक ममता चंद्राकर के जन्मदिन पर बधाई देने समर्थकों का लगा तांता



कवर्धा। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पंडरिया विधानसभा की पूर्व विधायक ममता चंद्राकर का जन्मदिन रविवार, 15 नवंबर को उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देने के लिए समर्थकों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और विधानसभा क्षेत्र के लोगों का उनके निवास पर दिनभर तांता लगा रहा।

जन्मदिन के अवसर पर पंडरिया विधानसभा सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समर्थक, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उनके निवास पहुंचे। सभी ने पुष्पगुच्छ भेंटकर और मिठाई खिलाकर ममता चंद्राकर को जन्मदिन की बधाई दी तथा उनके स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस दौरान समर्थकों और दूर-दराज से पहुंचे लोगों के लिए उनके निवास पर भोजन की विशेष व्यवस्था भी की गई थी। पूरे दिन बधाई देने वालों का सिलसिला जारी रहा। जन्मदिन के मौके पर समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

बाल दिवस पर ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का लिया संकल्प

भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ 7 बकावंड। विकासखंड बकावंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में शनिवार, 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य को लेकर विशेष संदेश दिया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच एवं समस्त पंचगण ने बच्चों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और ग्रामवासियों को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।



कार्यक्रम में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती का स्मरण किया गया। बताया गया कि बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहते थे। नेहरू जी बच्चों से बेहद स्नेह करते थे और उनका मानना था कि आज के बच्चे ही देश का भविष्य हैं।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा ने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए तीन महत्वपूर्ण संकल्प लिए। इनमें गांव के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, किसी भी बच्चे को कुपोषित नहीं रहने देना तथा बच्चों के लिए खेल मैदान और लाइब्रेरी की व्यवस्था करना शामिल है। बच्चों से अपील की गई कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें, खेलकूद में भाग लें और अपने माता-पिता के साथ-साथ गांव का नाम भी रोशन करें। सरपंच संतोष कुमार कश्यप एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सर्वांगीण विकास ग्राम पंचायत की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बिरसा मुंडा के सम्मान के साथ आदिवासी पहचान का भी हो सम्मान: नरेन्द्र नाग

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ *जगदलपुर।* धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रवक्ता नरेन्द्र नाग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार पर आदिवासी समाज की पहचान और अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मांग की है कि केंद्र सरकार 'जनजातीय गौरव दिवस' का नाम बदलकर 'आदिवासी गौरव दिवस' घोषित करे। नरेन्द्र नाग ने कहा कि भाजपा एक ओर भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर आयोजन करती है, वहीं दूसरी ओर आदिवासी शब्द के स्थान पर जनजातीय और वनवासी जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर



मूलनिवासियों की ऐतिहासिक पहचान को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज अपनी मूल पहचान से समझौता नहीं करेगा। उन्होंने रायगढ़ के धरमजयगढ़ में आयोजित जनजातीय गौरव सम्मेलन पर सवाल उठाते हुए कहा कि तमनार, पुरुंगा और गारे-पेलमा सहित कई क्षेत्रों में खनन के कारण आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन पर संकट बढ़ रहा है। हसदेव अरण्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में जंगलों की कटाई और ग्रामीणों के आंदोलनों पर दर्ज मुकदमों को लेकर भी उन्होंने सरकार को घेरा। नाग ने कहा कि बस्तर, सरगुजा और अन्य आदिवासी अंचलों में खनिज संपदा होने के बावजूद ग्रामीण सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने पेसा कानून, वन अधिकार कानून और ग्रामसभा के अधिकारों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने खनन के नाम पर वनों की कटाई रोकने, ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, स्थानीय युवाओं को स्थायी रोजगार देने तथा डीएमएफ की राशि से प्रभावित गांवों में विकास कार्य कराने की मांग की।

धान खरीदी की शुरुआत मिठाई के साथ, अन्नदाताओं को समस्या ना हो इसलिए खरिदी के पहले दिन भी फिल्ड में निकली कलेक्टर

कबीरधाम में धान खरीदी शुरू, 144 केंद्रों में किसानों ने बेची उपज

पहले दिन 10 हजार क्विंटल खरीदी का लक्ष्य, कलेक्टर ने केंद्रों का किया निरीक्षण; तिलक लगाकर किसानों का किया स्वागत



कवर्धा। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का आगाज 15 नवंबर से हो गया है। इसी कड़ी में कबीरधाम जिले के 144 धान उपार्जन केंद्रों में भी खरीदी प्रक्रिया शुरू की गई। पहले ही दिन किसान अपनी उपज लेकर केंद्रों में पहुंचे। प्रशासन ने खरीदी के शुरुआती दिन करीब 10 हजार क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया है। किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए टोकन व्यवस्था से लेकर तौल और अन्य जरूरी इंतजाम किए गए हैं।

धान खरीदी के पहले दिन कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खरीदी व्यवस्था का जायजा लेने के साथ किसानों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं एवं अनुभवों की जानकारी ली। केंद्रों में धान बेचने पहुंचे पहले किसानों का तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। कलेक्टर ने किसानों को नए खरीफ सीजन की धान खरीदी के लिए शुभकामनाएं देते हुए व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए।

इधर, कबीरधाम जिला मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों की सीमाओं से जुड़ा होने के कारण अवैध धान की आवक रोकना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। इसे देखते हुए सीमावर्ती इलाकों में चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। यहां दूसरे राज्यों से आने वाले धान पर नजर रखने के लिए निगरानी और जांच की जा रही है, ताकि समर्थन मूल्य पर खरीदी व्यवस्था में किसी तरह की गड़बड़ी न हो।

वहीं, इस वर्ष राज्य सरकार की कृषक उन्नति योजना को लेकर भी किसानों में उत्साह देखा जा रहा है। किसानों का कहना है कि योजना के तहत कम मात्रा में धान बेचने पर भी अंतर की राशि का लाभ मिलने से उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी। प्रशासन ने भी पारदर्शिता के साथ धान खरीदी पूरी कराने और किसानों को सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया है।

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल पोंड़ी में भव्य न्योता भोज, पत्रकारों ने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर किया भोजन

लगातार दूसरे वर्ष एक हजार से अधिक बच्चों को कराया गया सामूहिक भोज, सेवानिवृत्त कर्मचारी लक्ष्मीनारायण चंद्राकर ने उठाई भोजन की जिम्मेदारी, पत्रकारों को मोमेंटो भेंटकर किया सम्मानित

पोंड़ी। बाल दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पोंड़ी में शनिवार को भव्य न्योता भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के साथ सामाजिक समरसता, सेवा, सहयोग और आपसी भाईचारे की अनूठी मिसाल देखने को मिली। आयोजन की खास बात यह रही कि उपस्थित पत्रकारों ने स्कूली बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया और उनके साथ आत्मीयता के पल साझा किए।

विद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारी लक्ष्मीनारायण चंद्राकर की पहल पर लगातार दूसरे वर्ष एक हजार से अधिक विद्यार्थियों के लिए सामूहिक भोज की व्यवस्था की गई। इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को एक साथ भोजन कराना विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि रही। इस पहल ने यह संदेश दिया कि समाज के प्रति सेवा और सहयोग की भावना से बच्चों के चेहरे पर खुशियां लाई जा सकती हैं।

पत्रकारों और अतिथियों का किया सम्मान

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार गुप्ता ने उपस्थित अधिकारियों को डायरी एवं पेन भेंटकर सम्मानित किया। वहीं शाला विकास एवं प्रबंधन समिति (एसएमडीसी) तथा विद्यालय प्रबंधन की ओर से पत्रकारों को स्मृति चिह्न (मोमेंटो) भेंटकर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार ने जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने और सामाजिक सरोकारों में पत्रकारों की भूमिका की सराहना की।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन



कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्राथमिक शाला के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंग-बिरंगी वेशभूषा में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और प्रदर्शन के माध्यम से अतिथियों का मन मोह लिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों से पूरा परिसर उत्साह और उल्लास से सराबोर रहा।

आयोजन को सफल बनाने में स्काउट-गाइड, रेडक्रॉस और एनएसएस के विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अनुशासन और सेवा भावना के साथ भोजन वितरण सहित विभिन्न व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग दिया। इस अवसर पर एसएमडीसी अध्यक्ष वेद साहू ने विद्यार्थियों को पेन भेंटकर उनका उत्साहवर्धन किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पत्रकारों सहित गणमान्य नागरिक रहे मौजूद

कार्यक्रम में एसएमडीसी अध्यक्ष वेद साहू एवं प्राचार्य संजय कुमार गुप्ता की उपस्थिति में अतिथियों का स्वागत किया गया। इस दौरान पत्रकार सतीश तंबोली, सूर्या चंद्रवंशी, प्रदीप गुप्ता, महबूब खान, संतोष भारद्वाज, संजू गुप्ता, सतीश पात्रे, उत्तम चंद्रवंशी, अभिषेक वर्मा, अंकिता शर्मा, उमेश शर्मा एवं संजय तिवारी सहित सरपंच प्रतिनिधि मोतीराम साहू, दिलीप श्रीवास्तव, बी. पात्रे, जेपी शुक्ला, रामफल चंद्रवंशी, टुम्मन कोसले, एस. वर्मा, एन.के. चंद्रवंशी, के.एल. लहरे, एस.एन. वर्मा उपस्थित रहे। इसके अलावा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं गणमान्य नागरिक भी आयोजन में शामिल हुए।

सामाजिक समरसता की पेश की मिसाल

न्योता भोज के इस आयोजन ने शिक्षा के साथ सामाजिक सहभागिता और समानता का संदेश दिया। पत्रकारों का बच्चों के बीच जमीन पर बैठकर भोजन करना आपसी आत्मीयता और समानता का प्रतीक बना। वहीं लक्ष्मीनारायण चंद्राकर की पहल ने समाज के प्रति सेवा और समर्पण की भावना को प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षक-कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

19 से 24 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक एवं पर्यावरणीय यात्रा, जनकपुर में होगा अंतरराष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह

शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर नेपाल जाएगी छत्तीसगढ़ की 30 सदस्यीय टीम

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर। शिक्षा, विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण और शैक्षणिक नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा छत्तीसगढ़' की 30 सदस्यीय टीम 19 से 24 नवंबर 2026 तक नेपाल के शैक्षणिक एवं पर्यावरणीय भ्रमण पर रहेगी। यह यात्रा केवल पर्यटन तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रकृति संरक्षण, वैज्ञानिक सोच और भारत-नेपाल के बीच शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।



संस्था के सचिव भुवनेश्वर मरकाम के नेतृत्व में इस दल में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े शिक्षक, विज्ञान शिक्षाविद्, पर्यावरण प्रेमी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। दल में लखन लाल साहू, मनीष अहीर, कुमार मंडावी, बृजलाल मंडावी, आत्माराम साहू, चन्द्रिका सिंह, सुरेखा पूरेन्द्र, एच.एन. कुर्रे, ध्रुव कुमार महंत, संजय सिंगौर, हेमशंकर सिन्हा, हेमंत रत्नाकर, नीरजा अहिरवार, खेमलता, पुष्पा कमल और चंद्रिका पटेल सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।

नेपाल प्रवास के दौरान 21 एवं 22 नवंबर को राजधानी काठमांडू में प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और जैव विविधता पर केंद्रित शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस दौरान हिमालयी पारिस्थितिकी, पर्वतीय वनस्पतियों, जलस्रोतों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित विषयों का अध्ययन किया जाएगा। माउंट एवरेस्ट बेस कैंप का प्रस्तावित अवलोकन भी इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण रहेगा।

वहीं, 23 नवंबर को ऐतिहासिक नगरी जनकपुर में अंतरराष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले शिक्षकों के कार्यों को सम्मानित करने के साथ शैक्षणिक अनुभवों के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

पर्यावरण विशेषज्ञ मनीष अहीर ने कहा कि हिमालय भारत और नेपाल की साझा प्राकृतिक धरोहर है। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और जैव विविधता का लगातार हो रहा नुकसान पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती है। इसके संरक्षण के लिए जनभागीदारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण आवश्यक है। नेपाल भ्रमण से प्राप्त अनुभवों और जानकारियों को छत्तीसगढ़ के शिक्षकों, विद्यार्थियों और समाज तक पहुंचाया जाएगा।

यात्रा के मीडिया प्रभारी नीलमणि साहू ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत-नेपाल के शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय संबंधों को मजबूत करना और प्रकृति संरक्षण के प्रति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता बढ़ाना है।

नगर कांग्रेस कमेटी उतई ने मनाया देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का जन्म दिवस

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

उतई/ दुर्ग - नगर कांग्रेस कमेटी उतई के तत्वाधान में आज नगर के वार्ड क्रमांक 15 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 6 में बच्चों के साथ मनाया गया हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म दिवस बाल दिवस के रूप में देश के पूर्व प्रधानमंत्री को बच्चों से असीम लगाव था वह बच्चों को देश का भविष्य मानते थे इसलिए आज के दिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है नगर कांग्रेस कमेटी उतई के सदस्यों ने सभी बच्चों का मुंह मीठा कर बाल दिवस को उत्साह के साथ मनाया।



इस दौरान नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रहलाद वर्मा , पूर्व नगर अध्यक्ष डिकेंद्र हिरवानी , जिला सचिव बहादुर सिंह नेताम , पार्षद रमशिला नेताम , पूर्व पार्षद तोषण साहू , सुरता सिंह गढ़े , पूर्व ऐल्डरमैन प्रेम नारायण साहू कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता शत्रुघ्न गढ़े , चंद्राकर युवा कार्यकर्ता आशीष रावत , टीकम डोंडे चिंतामणि साहू वरिष्ठ महिला कार्यकर्ता सुनीति साहू , हुलसी वर्मा , आंगनवाड़ी सहायिका अनीता सिंह आंगनबाड़ी के सभी बच्चे एवं गर्भवती महिलाएं उपस्थित थी ।

जवाहरलाल नेहरू अमर रहे अमर रहे भारत माता की जय छत्तीसगढ़ महतारी की जय के जयकारों के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

दीप्ती गोविंद वर्मा ने क्षेत्र के धान खरीदी केंद्र में किया पूजन कार्यक्रम

जनता के गोठ/ओंकार साहू

बलौदाबाजार जिला पंचायत के अतर्गत छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आगामी सत्र में समर्थन मूल्य से धान खरीदी किसानों की समृद्धि छत्तीसगढ़ की प्रगति सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 15 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक धान खरीदी छत्तीसगढ़ के सभी धान खरीदी केंद्र में शुरुवात कर दी है अपने क्षेत्र के ग्राम पंचायत मोहभट्ठा मनोहरा में पूजन कार्य शौचालय निर्माण भूमि पूजन में सम्मिलित होकर तौल का उद्घाटन किया एवं ग्राम पंचायत दावनबोड में कृषि उपज बाजार हेतु भवन निर्माण कार्य एवं धान खरीदी केंद्र में शेड निर्माण की राशि स्वीकृति की सूचना प्रसारित किया मुख्य अतिथि दीप्ती गोविंद वर्मा सभापति स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास जिला पंचायत बलौदाबाजार



अध्यक्ष श्री धनुष प्रसाद वर्मा लक्ष्मण कुमार वर्मा योगेंद्र वर्मा खेमू वर्मा एजाज़ खान धनेश्वर निषाद तुलसी बारले सोहन लाल वर्मा कल्याण वर्मा पुरोहित रोहित तिवारी ग्राम पंचायत मोहभट्ठा अध्यक्ष रूपेंद्र यदु लखन लाल वर्मा सूर्या टंडन शंभू वर्मा नारद वर्मा ग्राम पंचायत मनोहरा श्रीमती चित्ररेखा साहू आनंद बंजारे कल्याण ध्रुव रामखिलावन साहू हुलास साहू बंसी यदु चोवा राम यदु मोतीराम वर्मा नंदू राम निषाद खोरबाहरा वर्मा रमेश निषाद ओमप्रकाश साहू सम्मिलित रहे।

शोक समाचार

होरीलाल कलार

बम्हनीडीह। वरिष्ठ भाजपा नेता ग्राम पंचायत सिलादेही के पूर्व सरपंच, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि एवं भारतीय जनता पार्टी बम्हनीडीह के पूर्व मंडल अध्यक्ष होरीलाल कलार (उम्र 68 वर्ष) का आकस्मिक निधन हो गया। निधन समाचार सुनकर भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निर्मल सिन्हा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। वे कुछ समय से अस्वस्थ थे। अंतिम संस्कार स्थानीय हसदेव नदी किनारे मुक्तिधाम में किया गया। उनकी मुखाग्नि ज्येष्ठ पुत्र तारकेश्वर जायसवाल ने दी। वे अपने पीछे पत्नी दो पुत्रियां और पुत्र सहित भरा पुरा परिवार छोड़ कर चले गए।



वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत सुहेला मंडल में जन चौपाल आयोजित

जनता के गोठ/ओंकार साहू

बलौदाबाजार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा संचालित ॠवोट बचाओ, देश बचाओॠ अभियान के अंतर्गत सुहेला मंडल में जन चौपाल का आयोजन किया गया। जन चौपाल में लोकतंत्र की मजबूती, संविधान की रक्षा, मतदाता सूची में पारदर्शिता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत आम नागरिक का वोट है। प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वोट का अधिकार केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की बुनियाद है। इसी उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी द्वारा गांव-गांव और बूथ स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार की अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा धृतलहरे ने अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं से लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। वहीं जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं कार्यक्रम मंडल प्रभारी सुनील साहू, पूर्व मंडी अध्यक्ष तुलसीराम वर्मा एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सुहेला के अध्यक्ष भानु वर्मा ने भी अपने विचार रखे। नेताओं ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाकर आम नागरिकों को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। जन चौपाल में मंडल अध्यक्ष गजेंद्र वर्मा सहित मोहन साहू, रामकुमार बाघमार, बिहारी खूंटे, श्रीमती शकुंतला बाघमार, प्रदीप निर्मलकर, राजेंद्र टंडन, महेत्तर वर्मा, रमेश वर्मा, सरोज बाघमार, मधु नायक, पूजा बाघमार, हेमंत नायक, दुर्गेश वर्मा, कमल नारायण बाघमार, पदुम वर्मा, सुकबाई बंजारे, बलराम वर्मा, शत्रुहन बाघमार, नीरज वर्मा एवं अश्वनी बाघमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत लिलौटी में हुआ नए धान खरीदी केंद्र का उद्घाटन, 5 गांव के 585 किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

बलरामपुर (जनता के गोठ) : ग्राम पंचायत लिलौटी में नए धान उपार्जन केंद्र का भव्य उद्घाटन हुआ। पूजा-अर्चना, नारियल फोड़कर और किसानों का फूल-माला से स्वागत कर खरीदी का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन के मौके पर बड़ी संख्या में किसान जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे। पूरा माहौल उत्सव जैसा नजर आया।

लंबे समय से लिलौटी और आसपास के गांव के किसान नए केंद्र की मांग कर रहे थे। उनकी मांग अब पूरी हो गई है। नए केंद्र के खुलने से लिलौटी सहित आसपास के 5 गांव के 585 किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

पहले इन गांवों के किसानों को अपना धान बेचने के लिए 10 से 15 किलोमीटर दूर दूसरे केंद्र तक जाना पड़ता था। इससे समय के साथ-साथ भाड़े का भी काफी खर्च



आता था। कई बार टोकन और तौल के लिए पूरा दिन खराब हो जाता था। अब यह परेशानी खत्म हो गई है। अब किसानों को अपने ही गांव में टोकन, तौल और खरीदी की पूरी सुविधा मिलेगी।

पहले दिन ही हुई 56 क्विंटल खरीदी

उद्घाटन के पहले ही दिन सुबह से ही किसान पिकअप में धान भरकर केंद्र पहुंचने लगे। पहले दिन ही केंद्र पर 56 क्विंटल धान की खरीदी हुई। केंद्र में टोकन काउंटर, तौल कांटा, बारदाना, धान भंडारण, पेयजल, छाया और बैठने की पूरी व्यवस्था की गई है।

किसानों ने बताया कि इस बार व्यवस्था बिल्कुल सही है। टोकन काउंटर पर कोई भीड़ नहीं है, तौल कांटा पर तुरंत तौल हो रहा है और पर्ची भी तुरंत दी जा रही है, जिससे भुगतान में देरी नहीं होगी।

एक किसान ने कहा, ÷पहले हमको धान लेकर दूर जाना पड़ता था, पूरा दिन खराब हो जाता था। अब गांव में ही केंद्र खुल गया है, इससे बहुत राहत मिली है।÷

वहीं दूसरे किसान ने कहा, ÷प्रशासन की व्यवस्था बहुत अच्छी है। उम्मीद है भुगतान भी समय पर मिलेगा।÷

जिले में 54 केंद्रों पर हो रही खरीदी

जिले में इस बार धान खरीदी को लेकर प्रशासन ने बड़े स्तर पर तैयारी की है। इस बार 5 नए उपार्जन केंद्र खोले गए हैं, अब कुल 54 केंद्रों पर धान की खरीदी हो रही है। 7 नई समितियां भी बनाई गई हैं।

पंजीकृत किसानों की संख्या बढ़कर 54,019 हो गई है, जो पिछले साल 51,631 थी। पंजीकृत रकबा भी बढ़कर 95,867 हेक्टेयर हो गया है। इस बार धान खरीदी का लक्ष्य 3 लाख 43 हजार मीट्रिक टन रखा गया है।

केंद्र प्रभारी ने बताया कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो, इसके लिए सभी तैयारियां पहले से पूरी कर ली गई हैं। बारदाना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और तौल में पारदर्शिता रखी जाएगी।

किसानों में खुशी का माहौल नए केंद्र के उद्घाटन से किसानों में खुशी का माहौल है। किसानों ने नए केंद्र के लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का आभार जताया और कहा कि अब समय और भाड़ा दोनों की बचत होगी। खरीदी पारदर्शी तरीके से होगी तो किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम मिलेगा।

हाथी के हमले से महिला की दर्दनाक मौत, जंगल में अकेली महिला पर किया हमला

कवर्धा। छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश की सरहदी सीमा पर विचरण कर रहे एक अकेले हाथी ने जंगल के रास्ते बाजार जा रही महिला पर हमला कर दिया। हाथी के हमले में महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वन विभाग ने आसपास के गांवों और बाजारों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

मृतिका की पहचान रामबाई के रूप में हुई है, जो मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले के कोदवाडीह गांव की निवासी थी। जानकारी के अनुसार, रविवार को रामबाई छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत बाकी गांव के बाजार में दैनिक उपयोग का सामान खरीदने जा रही थी। इसी दौरान समनापुर रेंज के जंगल अंतर्गत कक्ष क्रमांक 601 के पास महिला का अचानक सामना एक





हाथी से हो गया। महिला को संभलने या भागने का मौका नहीं मिला और हाथी ने उस पर हमला कर दिया। हमले में महिला के हाथ-पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जख्मी महिला को राहगीरों की मदद से घर लाया गया लेकिन उसकी मौत हो गई वन मंडल अधिकारी निखिल अग्रवाल से मिली जानकारी के अनुसार, हमला करने वाला हाथी अपने झुंड से बिछड़कर अकेला विचरण कर रहा है। यह हाथी पिछले करीब एक सप्ताह से छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की सीमावर्ती क्षेत्र में घूम रहा है। घटना मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले के समनापुर वन परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 601 की बताई जा रही है। घटना के बाद कबीरधाम वन विभाग भी अलर्ट हो गया है। हाथी की मौजूदगी को देखते हुए सीमावर्ती गांवों और आसपास के बाजारों में मुनादी कराई जा रही है। ग्रामीणों को जंगल के रास्तों से अकेले नहीं गुजरने, हाथी दिखाई देने पर उससे दूरी बनाए रखने और तत्काल वन विभाग को सूचना देने की समझाइश दी जा रही है।

खबर प्रकाशित होने के बाद भी नहीं मिला 70 मजदूरों को मेहनताना, दीपावली का आश्वासन भी बेअसर


जुनावनी के जंगल में चटाई कार्य करने वाले 70 ग्रामीणों को एक साल से नहीं मिली मजदूरी

वन विभाग के अधिकारियों पर भुगतान के नाम पर टालमटोल का आरोप, मेहनत की कमाई के लिए भटक रहे महिला-पुरुष मजदूर

भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ। बकावंड विकासखंड के अंतर्गत वन परिक्षेत्र बकावंड के जुनावनी स्थित बड़े जंगल में चटाई का कार्य करने वाले लगभग 70 महिला-पुरुष मजदूरों को एक वर्ष बीत जाने के बाद भी मजदूरी का भुगतान नहीं मिला है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग के संबंधित जीएसवाई और रेंजर से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद उनकी मेहनत की कमाई अब तक नहीं मिली है। इससे मजदूरों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, उन्होंने एक वर्ष पहले जंगल में चटाई बनाने का कार्य पूरी मेहनत और लगन से किया था। काम पूरा होने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि मजदूरी का भुगतान समय पर कर दिया जाएगा, लेकिन एक साल बीतने के बाद भी उन्हें अपनी मजदूरी नहीं मिली है। अब अपनी मेहनत की कमाई के भुगतान के लिए ग्रामीण कभी रेंज ऑफिस तो कभी बीटगार्ड के पास चक्कर काटने को मजबूर हैं।

आज देंगे, कल देंगे कहकर टालमटोल का आरोप- ग्रामीणों का आरोप है कि जब भी वे मजदूरी भुगतान के संबंध में संबंधित अधिकारियों से संपर्क करते हैं, तो उन्हें आज या कल भुगतान करने का आश्वासन दिया जाता है। लंबे समय से केवल आश्वासन मिलने के बावजूद भुगतान नहीं होने से मजदूरों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि वे गरीब परिवार से आते हैं और मजदूरी ही उनकी आजीविका का एकमात्र सहारा है। मजदूरी का भुगतान नहीं होने से उनके घरों में चूल्हा जलाने तक की दिक्कत हो रही है।

70 मजदूरों की मजदूरी भुगतान की मांग- मजदूरी भुगतान के संबंध में संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने पर, तो उन्हें आज या कल भुगतान करने का आश्वासन दिया जाता है। लंबे समय से केवल आश्वासन मिलने के बावजूद भुगतान नहीं होने से मजदूरों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि वे गरीब परिवार से आते हैं और मजदूरी ही उनकी आजीविका का एकमात्र सहारा है। मजदूरी का भुगतान नहीं होने से उनके घरों में चूल्हा जलाने तक की दिक्कत हो रही है। सोनमती, सुकरी, पंचमी, लखपत, रोमा, तुज्जा, सुमरी, शांति, सुशीला, जसकी, रेती, कमलावती, बगवती, मतया, कुमारी, लकमी, चुदर, करण, पुरू, जगराम, मोती, और तीरलोचन सहित अन्य ग्रामीण शामिल हैं ग्रामीणों ने वन विभाग के संबंधित अधिकारियों से मांग की है को मामले की जांच कर चटाई कार्य में लगे सभी मजदूरों की कमाना मजदूरी का जल्द भुगतान कराया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों से राहत मिल सके।



जुनावानी के जंगल में चटाई कार्य करने वाले महिला-पुरुष मजदूर एक साल से परेशान, भुगतान के लिए रेंज ऑफिस और बीटगार्ड के काट रहे चक्कर

भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ । विकासखंड बकावंड के ग्राम पंचायत जुनवानी के जंगल में चटाई कार्य करने वाले लगभग 70 महिला-पुरुष मजदूरों की मजदूरी का भुगतान अब तक नहीं हो पाया है। इस मामले को दैनिक जनता के गोठ में प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बावजूद वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

मजदूरों को उम्मीद थी कि बीटगार्ड द्वारा दीपावली तक भुगतान किए जाने का आश्वासन दिया गया था, इसलिए त्योहार से पहले उनकी मेहनत की कमाई मिल जाएगी। लेकिन दीपावली बीत जाने के बाद भी मजदूरों के खाते में मजदूरी की राशि नहीं पहुंची। इससे ग्रामीणों में निराशा और नाराजगी बढ़ती जा रही है।

मजदूरों का कहना है कि उन्होंने जंगल में चटाई बनाने का कार्य पूरी मेहनत और लगन से किया था, लेकिन लगभग एक साल बीत जाने के बाद भी मेहनताना नहीं मिला है। भुगतान के लिए ग्रामीण कभी रेंज ऑफिस तो कभी बीटगार्ड के पास चक्कर काटने को मजबूर हैं। बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद भुगतान नहीं होने से महिला एवं पुरुष मजदूर आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

ग्रामीणों का सवाल है कि जब उनसे समय पर काम करवाया गया, तो उनकी मजदूरी का भुगतान समय पर क्यों नहीं किया जा रहा है? आखिर गरीब मजदूर अपनी मेहनत की कमाई के लिए कब तक अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटते रहेंगे?

अब मजदूरों ने वन विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कराई जाए और लंबे समय से लंबित मजदूरी का भुगतान कराया जाए, ताकि गरीब परिवारों को राहत मिल सके।

प्रिज्म प्राइवेट आईटीआई के विद्यार्थियों ने किया भिलाई इस्पात संयंत्र का औद्योगिक भ्रमण, आधुनिक इस्पात उत्पादन तकनीकों की ली जानकारी





अंचल वर्मा - दुर्ग , उतई। जनता के गोठ। उतई / दुर्ग - तकनीकी शिक्षा को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने तथा विद्यार्थियों को आधुनिक औद्योगिक तकनीकों से परिचित कराने के उद्देश्य से प्रिज्म प्राइवेट आईटीआई, महकाखुर्द, उतई के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र (स्क्रू) का एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण कराया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को संयंत्र की तीन प्रमुख उत्पादन इकाइयों ब्लास्ट फर्नेस-08 'महामाया', स्टील मेल्टिंग शॉप-03 (स्स्र-03) एवं यूनिवर्सल रेल मिल (ऋ) का अवलोकन कराया गया। विद्यार्थियों ने इन इकाइयों की कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा तथा इस्पात निर्माण की विभिन्न तकनीकी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। ब्लास्ट फर्नेस-08 'महामाया' में विद्यार्थियों ने लौह अयस्क एवं अन्य कच्चे माल से पिघले हुए लोहे के उत्पादन की प्रक्रिया, उच्च तापमान पर संयंत्र के संचालन तथा औद्योगिक सुरक्षा मानकों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। स्टील मेल्टिंग शॉप-03 (SMS-03) में प्रशिक्षणार्थियों को पिघले हुए लोहे से उच्च गुणवत्ता वाला इस्पात तैयार करने की प्रक्रिया, ऑक्सीजन ब्लोइंग तकनीक तथा कंटीन्यूअस कास्टिंग की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। वहीं यूनिवर्सल रेल मिल (ऋ) में विद्यार्थियों ने आधुनिक रोलिंग तकनीक के माध्यम से रेल पटरियों के निर्माण, उनकी गुणवत्ता जांच एवं उत्पादन के विभिन्न चरणों का बारीकी से अवलोकन किया। विशेष रूप से लंबी एवं उच्च गुणवत्ता वाली रेल पटरियों के निर्माण की तकनीक विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य ललित कुमार साहू ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण तकनीकी शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर वास्तविक औद्योगिक परिवेश, आधुनिक मशीनों एवं उत्पादन प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिलता है। ऐसे अनुभव विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक समझ एवं भविष्य की रोजगारपरक क्षमताओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थान प्रबंधन ने इस शैक्षणिक भ्रमण को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन एवं जनसंपर्क विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी विद्यार्थियों के ज्ञान एवं कौशल विकास हेतु इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण एवं शैक्षणिक गतिविधियों के निरंतर आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

संपादकीय

प्रतिशत बरक्स योग्यता के प्रश्न

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में कम से कम 40 प्रतिशत लाने की अनिवार्यता की वजह से हज़ारों पद खाली रह रहे हैं। क्या यह एक सोची समझी चाल है जहाँ एक तरफ बिना कॉलेज जाए विद्यार्थियों के डिग्रियों में 80 फीसदी नंबर आ रहे हैं वहीं दूसरी तरफ वही विद्यार्थी उसी सिलेबस के ऑब्जेक्टिव पेपर में भी प्रतियोगिताओं में 40 फीसदी अंक क्यों नहीं ला पा रहे? इस अंतर्विरोध को सरकारी व्यवस्था ने बहुत गूढ़ तरीके से गढ़ा है। ऑनलाइन के इस जमाने में कुछ भी सीखने, याद करने की जरूरत नहीं है, सब कुछ एक क्लिक पर हाज़िर हो जाता है। किसी बच्चे को अध्यापक या माँ-बाप कोई भी सजा नहीं दे सकता है, यह मानवाधिकार के विरुद्ध है। हर बच्चे को पढ़ाना उसके माँ-बाप और सरकार की जिम्मेदारी है, इसलिए उसे फेल नहीं किया जा सकता। असफल होने से उसमें नकारात्मकता आ सकती है और कम अंक आने से वह निराश होकर कोई गलत कदम न उठा ले इसलिए उसकी वास्तविक स्थिति को ग्रेड के जाल में छिपा लेना है। यहाँ तक तो सब ठीक रहता है बच्चा राजी, उसके माँ-बाप राजी और सरकार के आंकड़ें सरकारी स्कूलों की सफलताओं को दिखाते हुए। यहाँ तक सब कुछ योजनाबद्ध रूप में चलता है। समस्या इसके बाद शुरू होती है। कॉलेज में यही प्रक्रिया दोहराई जाती है लेकिन इसके बाद दुनिया का रंग वही नहीं रहता। दुनिया के लिए आप व्यस्क हो जाते हैं, और आपके लिए बनाए गए माहौल की धज्जियाँ उड़ने लगती हैं। अब जो दौड़ शुरू होती है उसमें क्या करें यह इन टॉपर्स को समझ नहीं आता। उनके माता-पिता जिन अंकों को पाकर मिठाई बांटते थे अब उसी का ताना देने लगते हैं। बहुत ज्यादा लाड़ प्यार में पले बच्चों का हश्र वही होना होता है जो होता है। न तो इनमें कुछ भी सहने की कुव्वत होती है और न कुछ करने की इच्छाशक्ति। फोन से बाहर निकलकर देखने की फुरसत भी नहीं होती। ये लोग आखिर कहाँ जाएं? आखिर क्यों ये लोग 40 फीसदी अंक भी नहीं ला पा रहे हैं जबकि इनमें से अधिकांश उम्र के 25 पड़ाव पार कर चुके हैं। ये ऐसा तिलिस्म है जिसमें घुसना आसान है निकलना नहीं। एक तरफ इतनी सहूलियतों में पढ़ाकर फिर ऐसे संकट में डाल देना, यह तिलिस्म नहीं है तो और क्या है। इस उम्र और स्थिति में ये प्राइवेट सेक्टर में काम करने के भी लायक नहीं रह जाते। उनके पास कोई स्किल नहीं है किसी हुनर को उन्होंने नहीं सीखा, सरकारी नौकरी पा सकने की हसरत में वे कक्षाएं करते रहे हैं। यह आखिरी सपना भी जब उनका साथ छोड़ देता है तब वे किसी ऐसी दुनिया की शरण लेते हैं जहाँ उन्हें यह सब याद न रहे। नशे और बेरोजगारी का एक साथ बढ़ना कोई अनोखी बात नहीं रह गई है। बच्चों को खुशियों को, उपलब्धियों को सेलिब्रेट करना सिखाया जाता है लेकिन असफलता का सामना करना नहीं सिखाया जाता। माँ-बाप, अध्यापक और दोस्त स्वयं ही असफलता का सामना करना नहीं जानते। हमारे समाज में असफलता शब्द की ही स्वीकार्यता नहीं है। यहाँ तो बस असफलता का मतलब गालियों की बौछार है। ऐसे में इन सबका जिम्मेदार आखिर कौन है? इफार्मेशन टेक्नोलॉजी के सहारे समार्ट कहलाने का जो नैरेटिव गढ़ा गया वह 40 फीसदी के पेंच में कैसे फंसने लगा? सेकंड डिवीजन वाले अंक प्रतियोगिता की दौड़ में आकर ज्यादा कैसे लगने लग गए।

छठ पूजा : आस्था समर्पण और लोक संस्कृति का महापर्व

सूरत में छठव्रतियों के स्वागत के लिए सजे घाट प्रशासन की तैयारियों की परीक्षा और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का उत्सव छठ पूजा भारत की प्राचीन धार्मिक परंपराओं और लोक आस्था का ऐसा अनुपम पर्व है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सूर्य उपासना, अनुशासन, पवित्रता और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना एक साथ दिखाई देती है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस जीवनदृष्टि का प्रतीक है, जिसमें सूर्य को जीवन का आधार और जल को प्रकृति का अमूल्य उपहार माना गया है।

कांतिलाल मांडोत

देश के लगभग हर राज्य में छठ पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाती है। हालांकि बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसकी विशेष परंपरा रही है, लेकिन आज यह पर्व देश की सीमाओं से निकलकर राष्ट्रीय पहचान बना चुका है। गुजरात में भी विशेषकर उत्तर गुजरात के प्रवासी समाज के बीच छठ पूजा का विशिष्ट स्थान है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता छठव्रतियों का कठोर अनुशासन, अटूट विश्वास और अद्भुत समर्पण है। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व नहाय-खाय से आरंभ होता है। इसके बाद खरना का विधान होता है। तीसरे दिन व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं और अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करते हैं। इस दौरान व्रती पूरी श्रद्धा, पवित्रता और नियमों का पालन करते हैं। कई श्रद्धालु निर्जला उपवास रखकर सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करते हैं। उनकी यह साधना भारतीय नारी शक्ति, मातृत्व, त्याग और आत्मबल का प्रेरणादायक उदाहरण है। परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और समाज के कल्याण की भावना इस पर्व को और भी विशिष्ट बनाती है।

सूरत जैसे औद्योगिक महानगर में छठ पूजा का उत्साह देखते ही बनता है। वस्त्र उद्योग, हीरा उद्योग, व्यापार, निर्माण क्षेत्र और विभिन्न रोजगारों से जुड़े बिहार, झारखंड तथा पूर्वांचल के लाखों लोग सूरत में रहते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में श्रमिक और व्यवसायी परिवार छठ पूजा मनाने के लिए अपने वतन लौटते हैं। त्योहार के अवसर पर रेलगाड़ियों और बसों में यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। अपने गांव, परिवार और पुश्तैनी परंपराओं के बीच छठ मनाने की इच्छा उन्हें हजारों किलोमीटर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करती है। उनके लिए छठ पूजा केवल त्योहार नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और पारिवारिक जड़ों से जुड़ने का अवसर है।

हालांकि सभी लोग अपने गृह प्रदेश नहीं जा पाते। रोजगार, कारोबार और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अनेक परिवार गुजरात में ही रहकर छठ पूजा मनाते हैं। ऐसे श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए सूरत में विभिन्न स्थानों पर छठ पूजा के घाट सजाए जा रहे हैं। बिहार विकास परिषद हर वर्ष छठव्रतियों के लिए घाटों की व्यवस्था करती है। परिषद के कार्यकर्ता श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूजा स्थलों को तैयार करने में जुटते हैं। घाटों की सजावट, साफ-सफाई और धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रवासी समाज ने अपनी संस्कृति को नई भूमि पर भी पूरी जीवंतता के साथ सुरक्षित रखा है। गुजरात की धरती पर छठ का यह आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का सुंदर उदाहरण बन गया है। छठ पूजा की सफलता में प्रशासन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सूरत महानगरपालिका, पुलिस प्रशासन और संबंधित विभागों के सामने श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा सुविधाओं की बड़ी जिम्मेदारी रहती है। घाटों की समय रहते सफाई, जलाशयों के आसपास पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग सुविधाएं, अस्थायी शौचालय, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। जलाशयों में उतरने के लिए सुरक्षित व्यवस्था, फिसलन रोकने के उपाय, बैरिकेडिंग और गहरे पानी वाले स्थानों पर चेतावनी संकेत भी लगाए जाने चाहिए। संध्या अर्घ्य और प्रातःकालीन अर्घ्य के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में यातायात व्यवस्था सुचारु रखना पुलिस प्रशासन की विशेष जिम्मेदारी है। भीड़ नियंत्रण, वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग, महिला सुरक्षा और स्वयंसेवकों की तैनाती से श्रद्धालुओं को परेशानी से बचाया जा सकता है। प्रशासन को आयोजक संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी श्रद्धालु को अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। साथ ही प्लास्टिक और कचरे से जलाशयों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए विशेष अभियान चलाना चाहिए।



प्रशासन की तैयारियों का वास्तविक मूल्यांकन इसी बात से होगा कि छठव्रती कितनी सहजता, सुरक्षित वातावरण और सम्मान के साथ पूजा संपन्न कर पाते हैं। बिहार विकास परिषद जैसी संस्थाओं का योगदान सराहनीय है। सामाजिक संस्थाएं जब अपने स्तर पर घाटों की व्यवस्था करती हैं तो प्रशासन का सहयोग भी अधिक प्रभावी बनता है। छठ पूजा किसी एक प्रदेश या भाषा के लोगों का पर्व नहीं रह गया है। इसमें गुजरात के स्थानीय नागरिक भी सहभागी बनते हैं। यही भारत की सांस्कृतिक विविधता की सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग भाषाएं, वेशभूषाएं और परंपराएं होने के बावजूद आस्था और मानवीय संवेदना सभी को एक सूत्र में बांधती हैं।

आज आवश्यकता है कि छठ पूजा को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव के रूप में भी देखा जाए। सूर्य और जल की उपासना हमें प्रकृति के महत्व का संदेश देती है। स्वच्छ घाट, निर्मल जल और अनुशासित आयोजन ही इस पर्व की वास्तविक गरिमा को बनाए रख सकते हैं।

सूरत में सजते छठ पूजा के घाट इस बात के प्रतीक हैं कि इंसान रोजगार के लिए अपना घर छोड़ सकता है, लेकिन अपनी संस्कृति और संस्कारों को नहीं छोड़ता। हजारों किलोमीटर दूर रहकर भी छठव्रती उसी श्रद्धा से सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं, जिस श्रद्धा से वे अपने गांव में करते आए हैं। उनकी आस्था, तपस्या और समर्पण को नमन करना चाहिए। प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों के सामूहिक सहयोग से यह महापर्व सूरत में भी हर्षोल्लास, शांति और गरिमा के साथ संपन्न हो, यही कामना है।

छठ पूजा हमें सिखाती है कि सच्ची आस्था के लिए स्थान की दूरी बाधा नहीं बनती। जहां श्रद्धा है, वहीं संस्कृति है और जहां संस्कृति है, वहीं भारत की आत्मा जीवित है।

आज का इतिहास

काली पूजा के अवसर पर पूज्य माता श्री शारदा देवी ने '1898' में निवेदिता के विद्यालय का उद्घाटन किया.

1918 में ऑस्ट्रिया गणराज्य बना.

तिब्बत ने चीनी आक्रमण के ख़िलाफ़ '1950' में संयुक्त राष्ट्र में अपील की.

पाकिस्तान में '1968' में जुल्फिकार अली भुट्टो को गिरफ्तार किया गया.

अमेरिकी विमान मैरिनर-9 ने '1971' में मंगल ग्रह का चक्कर लगाया.

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने '1975' में एशिया को चेचक मुक्त होने की घोषणा की.

पूर्वी कोलंबिया में '1985' में ज्वालामुखी फटने के कारण करीब 23,000 लोग मारे गए.

सुरक्षा परिषद ने '1997' में इराक पर यात्रा प्रतिबंध लगाया.

चीन के विरोध के बावजूद '1998' में दलाई लामा और अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने मुलाकात की.

अमेरिकी राष्ट्रपति बुश ने '2004' में फ़िलिस्तीनी राष्ट्र के निर्माण के लिए चार साल का समय निर्धारित किया.

कॉमनवेल्थ ने '2007' में देश में आपातकाल को हटाने के लिए पाकिस्तान को 10 दिनों का समय दिया, आस्ट्रेलिया में आयोजित एशिया पैसिफ़िक स्क्रीन अवार्ड में भारतीय फ़िल्म 'गांधी माई फ़ादर' को सर्वश्रेष्ठ पटकथा का पुरस्कार मिला.

'असम गण परिषद' '2008' में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल हुई.

पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह का जन्म पाकिस्तान के गुजरांवाला में '1780' में हुआ.

कहानीकार, गद्यगीत लेखक राय कृष्णदास का जन्म '1892' में हुआ.

प्रसिद्ध प्रगतिशील कवि मुक्तिबोध गजानन माधव का जन्म '1917' में हुआ.

भारतीय अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि का जन्म '1967' में हुआ.

हिन्दी फ़िल्म अभिनेत्री जूही चावला का जन्म '1968' में हुआ.

विश्व दयालुता दिवस (World Kindness Day)

अमेरिकी कानून में दर्ज होगी दीपावली की चमक! दिवाली डे एक्ट फिर पेश

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति सनातन परंपरा और आध्यात्मिक विरासत का प्रभाव लगातार व्यापक होता दिखाई दे रहा है।दीपावली अब केवल भारत का धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व नहीं रह गई है, बल्कि यह विश्व के अनेक देशों में शांति,सद्भाव, पारिवारिक एकता,सकारात्मकता और अंधकार पर प्रकाश की विजय का अंतरराष्ट्रीय प्रतीक बन चुकी है।वर्ष 2026 में दीपावली के अवसर पर अमेरिका से आई एक महत्वपूर्ण राजनीतिक एवं सांस्कृतिक खबर ने विश्वभर के भारतवंशियों का ध्यान आकर्षित किया है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

अमेरिका में दीपावली को संघीय अवकाश घोषित करने के उद्देश्य से दिवाली डे एक्ट को प्रतिनिधि सभा में दोबारा पेश किया गया है।9 नवंबर 2026 को अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ग्रेस मेंग ने इस विधेयक को फिर से प्रस्तुत किया, जिसे 19 अन्य अमेरिकी सांसदों का सह-प्रायोजन प्राप्त है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि इनमें भारतीय मूल के पांच प्रमुख सांसद राजा कृष्णमूर्ति,सुहास सुब्रमण्यम, श्री थानेदार,रो खन्ना और एमी बेरा भी शामिल हैं।यदि यह विधेयक अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों से पारित होकर कानून बन जाता है, तो दीपावली अमेरिका का 12वां संघीय अवकाश बन जाएगी। यह घटनाक्रम केवल एक छुट्टी घोषित करने की मांग नहीं, बल्कि बहुसांस्कृतिक समाज में भारतीय मूल की परंपराओं को संस्थागत पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। साथियों बात अगर हम दीपावली का छह दिवसीय वैश्विक उत्सव और अमेरिकी संसद तक पहुंची भारतीय संस्कृति की गूंज को समझने की करें तो,वर्ष 2026 की दीपावली ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि भारतीय संस्कृति की सीमाएंभौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं हैं।भारत से लेकर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड,सिंगापुर, मॉरीशस, फिजी और खाड़ी देशों तक भारतीय समुदायों ने दीपावली को धार्मिक श्रद्धा, पारिवारिक मिलन और सामाजिक उल्लास के साथ मनाया।दीपों की रोशनी, रंगोली,लक्ष्मी- गणेश पूजन, मंदिरों में विशेष आराधना,सांस्कृतिककार्यक्रमों और सामूहिक उत्सवों ने विश्व के अनेक शहरों को भारतीय परंपराओं के रंग में रंग दिया।दीपावली का संदेश केवल धन-संपदा की कामना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मनुष्य को अपने भीतर के अज्ञान,अहंकार,नकारात्मकता और अन्याय के अंधकार को दूर करके ज्ञान, सदाचार और सद्भाव का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा देता है। इसी सांस्कृतिक यात्रा में गोवर्धन पूजा और अन्नकूट प्रकृति, पर्यावरण, कृषि, गौ-संरक्षण तथा सामूहिक सहभागिता का संदेश देते हैं।वहीं भाई दूज भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और पारिवारिक संबंधों की मधुरता को मजबूत करने वाला पर्व है।इन पर्वों का सामूहिक संदेश यह है कि भारतीय त्योहार केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की ऐसी सांस्कृतिक व्यवस्था हैं, जिसमें परिवार, समाज, प्रकृति और मानवता सभी का महत्व है।दुनिया के अलग-अलग देशों में बसे भारत वंशियों ने इन परंपराओं को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखा है।

साथियों बात अगर हम ग्रेस मेंग की पहल ने



फिर जगाई अमेरिकी संघीय अवकाश की उम्मीद को समझने की करें तो,अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक को दोबारा पेश करने की पहल कांग्रेस सदस्य ग्रेस मेंग ने की है। वह न्यूयॉर्क के क्वींस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं और कांग्रेसनल एशियन पैसिफिक अमेरिकन कॉकस की अध्यक्ष भी हैं।उनके अनुसारदीपावली को संघीय अवकाश का दर्जा देने से अमेरिकी समाज में विविध सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं के प्रति सम्मान और समावेशिता का संदेश जाएगा।उन्होंने दीपावली के मूल दर्शन को अच्छाई की बुराई पर और ज्ञान की अज्ञानता पर विजय से जोड़ते हुए कहा कि यह पर्व हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध समुदायों सहित अनेक दक्षिण एशियाई परिवारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके विधेयक का उद्देश्य केवल एक अतिरिक्त छुट्टी उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि अमेरिका के सार्वजनिक जीवन में उन समुदायों की सांस्कृतिक उपस्थिति को मान्यता देना भी है, जो लंबे समय से देश की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रगति में योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से ऐसे समय में, जब अमेरिका में हिंदू और दक्षिण एशियाई समुदायों के विरुद्ध नफरत, धमकी और भेदभाव की घटनाओं को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है,इस विधेयक को सांस्कृतिक सम्मान और सामाजिक समावेशिता के संदर्भ में भी सटिका से देखा जा रहा है। साथियों बात अगर हम भारतीय मूल के पांच सांसदों की भागीदारी ने बढ़ाया महत्व को समझने की करें तो,इस विधेयककी सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह है कि इसे भारतीय मूल के पांच अमेरिकी सांसदों का भी समर्थन प्राप्त है। इनमें एमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, सुहास सुब्रमण्यम और श्री थानेदार शामिल हैं। ये सभी अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।इनके अतिरिक्त नानेट बैरागान, वेस्ली बेल,आंद्रे कार्सन,जूडी चू,सुजान डेलबेने, जोश गॉटहाइमर, टिमोथी केनेडी, स्टीफन लिंच, डेबोरा रॉस, लेटीफ सिमोन,टॉम सूजी, मार्क टकानो,रशीदा तलीब और बोनी वाटसन कोलमैन जैसे सांसद भी इस विधेयक के सह-प्रायोजकों में शामिल हैं।यहां एक तथ्यात्मक अंतर समझना आवश्यक है कि ग्रेस मेंग इस विधेयक की मुख्य प्रस्तावक हैं और आधिकारिक विज्ञप्ति में 19 अन्य सांसदों को सह-प्रायोजक बताया गया है।इस प्रकार प्रस्तावक सहित कुल 20 सांसदों कीभागीदारी सामने आती है। भारतीय मूल के सांसदों की भागीदारी इस बात को रेखांकित करती है कि भारतवंशी समुदाय अब केवल अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिकी लोकतांत्रिक और विधायी प्रक्रियाओं में भी सक्रिय सटिका से भूमिका निभा रहा है। साथियों बात अगर हम वर्ष 2023 से 2026 तक का विधायी सफरः पहली कोशिश से दोबारा प्रस्तुति तक को समझने की करें तो,दिवाली डे एक्ट का इतिहास भी इस विषय को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिकी कांग्रेस के 118वें सत्र के दौरान ग्रेस मेंग ने 15 मई 2023 को पहली बार एच.आर. 3336 के रूप में यह विधेयक पेश किया था। इसका उद्देश्य अमेरिकी कानून में संशोधन करके दीपावली को संघीय अवकाशों की सूची में शामिल करना था। उस समय इसे प्रतिनिधि सभा की निगरानी एवं जवाबदेही संबंधी समिति को भेजा गया था, लेकिन यह आगे मतदान और कानून बनने की प्रक्रिया तक नहीं पहुंच पाया। इसलिए वह प्रयास अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर सका।अब नवंबर 2026 में इस विधेयक को दोबारा पेश करना इस विषय को फिर से अमेरिकी विधायी चर्चा के केंद्र में लाने वाला कदम है। इस बार प्रस्ताव के साथ 19 सह-प्रायोजकों की भागीदारी और विभिन्न भारतीय, एशियाई तथा धार्मिक- सांस्कृतिक संगठनों का समर्थन भी जुड़ा हुआ है। इससे यह स्पष्ट होता है कि किसी सांस्कृतिक पर्व को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाने की प्रक्रिया में केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि सामुदायिक प्रतिनिधित्व, नागरिक भागीदारी और लोकतांत्रिक संवाद भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

साथियों बात अगर हम अमेरिकी राज्यों में भी बढ़ रही है दीपावली की आधिकारिक पहचान को समझने की करें तो,अमेरिका में दीपावली को मान्यता देने की दिशा में संघीय विधेयक से पहले राज्य स्तर पर भी महत्वपूर्ण पहल हुई है। कैलिफोर्निया इसका एक प्रमुख उदाहरण है। अक्टूबर 2025 में वहां के गवर्नर गैविन न्यूसम ने असेंबली बिल 268 पर हस्ताक्षर किए थे। इस कानून के माध्यम से कैलिफोर्निया में दीपावली को आधिकारिक राज्य अवकाश की मान्यता देने का प्रावधान किया गया, जो 1 जनवरी 2026 से प्रभावी हुआ। यह राज्य स्तर पर भारतीय त्योहार की संस्थागत पहचान के विस्तार का महत्वपूर्ण उदाहरण है। हालांकि राज्य का अवकाश और पूरे अमेरिका का संघीय अवकाश दो अलग-अलग कानूनी व्यवस्थाएं हैं। राज्य स्तर पर मान्यता मिलने से अपने आप राष्ट्रीय अवकाश घोषित नहीं हो जाता। लेकिन ऐसे कदम संघीय स्तर पर होने वाली चर्चा को सांस्कृतिक और सामाजिक आधार सटिका से अवश्य प्रदान करते हैं।

साथियों बात अगर हम संघीय अवकाश बनने के लिए अभी पार करनी होगी विधायी प्रक्रिया को समझने की करें तो,इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण बात समझना आवश्यक है कि दिवाली डे एक्ट अभी केवल दोबारा प्रस्तुत किया गया विधेयक है, यह अमेरिकी कानून नहीं बना है। इसे पहले प्रतिनिधि सभा में विधायी प्रक्रिया से गुजरना होगा। इसके बाद सीनेट की स्वीकृति और राष्ट्रपति की संवैधानिक भूमिका सहित कानून बनने की आवश्यक प्रक्रिया पूरी करनी होगी। तभी दीपावली को अमेरिका के संघीय अवकाशों की सूची में शामिल किया जा सकेगा। यदि यह प्रक्रिया सफल होती है तो अमेरिका में दीपावली 12वां संघीय अवकाश बन जाएगी। इसका अर्थ होगा कि संघीय सरकारी संस्थानों और संबंधित व्यवस्थाओं में इस दिन अवकाश की आधिकारिक मान्यता मिलेगी। हालांकि निजी कंपनियों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सभी राज्यों में छुट्टी की व्यवस्था अपने-अपने नियमों के अनुसार अलग हो सकती है।

आज का राशिफल

मेष - कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

वृष - महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मिथुन - राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

कर्क - आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

सिंह - आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

कन्या - आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-4-6

तुला - आलस्य का त्याग करें। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

वृश्चिक - भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु - कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

मकर - जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ - बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मीन - संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-5-7

भेड़सर में भूपेश बघेल का बैलगाड़ी से ऐतिहासिक स्वागत , राउत नाचा की पारंपरिक वेशभूषा ने केंद्रित किया आकर्षण

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर बैलगाड़ी से आमजनों को अभिवादन करते नजर आए

अंचल वर्मा - दुर्ग , उतई । जनता के गोठ।

दुर्ग - ग्राम भेड़सर में आयोजित दीपावली महोत्सव एवं भव्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपरा और ग्रामीण जनजीवन का संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का क्षेत्रवासियों ने छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुरूप बैलगाड़ी से ऐतिहासिक एवं भव्य स्वागत किया। बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने उत्साह, उमंग और आत्मीयता के साथ उनका अभिनंदन किया। बैलगाड़ी में सवार होकर भूपेश बघेल ने उपस्थित जनसमुदाय का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश ठाकुर एवं विशिष्ट अतिथि पीसीसी संयुक्त महामंत्री राजेन्द्र साहू तथा महापौर निर्मल कोसरे भी उनके साथ बैलगाड़ी में सवार नजर आए। पारंपरिक बैलगाड़ी से किया गया यह स्वागत ग्रामीण संस्कृति, कृषि परंपरा और छत्तीसगढ़ की अस्मिता का जीवंत प्रतीक बना। पुर्व मुख्यमंत्री भुपेश बघेल मंच पर पहुंचते ही पारंपरिक राउत नाचा की वेशभूषा में दिखाई दिए। उनकी इस पारंपरिक छवि ने उपस्थित जनसमुदाय के बीच विशेष आकर्षण पैदा किया। लोककलाकारों की प्रस्तुतियों, पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक रंगों ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भूपेश बघेल ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की असली





पहचान यहां की लोकसंस्कृति, तीज-त्योहार, किसान, मजदूर और मेहनतकश जनता है। हमारी परंपराएं केवल उत्सव मनाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक एकता, भाईचारे, आपसी सहयोग और सामूहिक खुशियों का संदेश देती हैं। बैलगाड़ी, गाड़ा-बैला, राउत नाचा और लोकपरंपराएं हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी हुई हैं। इन्हें सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि गांव और किसान छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद हैं। किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और गरीब परिवारों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। प्रदेश की खुशहाली का रास्ता गांवों के विकास, कृषि की मजबूती और आम जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव से होकर गुजरता है। सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारा छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत है, जिसे हर परिस्थिति में बनाए रखना आवश्यक है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर अपनी बात रखते हुए बघेल ने संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और जनता के विश्वास पर निर्भर करती है। प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक होना चाहिए। कांग्रेस पार्टी मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी के नेतृत्व में संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने लोकतांत्रिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए जनभागीदारी को आवश्यक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि ग्राम भेड़सर के ग्रामीणों ने जिस आत्मीयता, उत्साह और पारंपरिक अंदाज में भूपेश बघेल का स्वागत किया है, वह छत्तीसगढ़ की मेहमाननवाजी, सांस्कृतिक गौरव और ग्रामीण एकजुटता का उत्कृष्ट उदाहरण है। हमारी लोकपरंपराएं हमारी पहचान हैं। ऐसे आयोजन न केवल सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और अपनी परंपराओं से जोड़ने का भी महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली जैसे पर्व समाज में प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और खुशियां बांटने का संदेश देते हैं। ग्रामवासियों का इतना बड़ा उत्साह और सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और परंपराओं के प्रति लोगों का जुड़ाव आज भी उतना ही मजबूत है। कार्यक्रम में पीसीसी संयुक्त महामंत्री राजेन्द्र साहू, महापौर निर्मल कोसरे, जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष विक्रांत अग्रवाल, जिला महामंत्री लक्ष्मी साहू, सरपंच यलिता साहू, महेंद्र निषाद, रज्जाक खान, रिवेंद्र यादव, उमेश साहू, तोरण देशमुख, पदुम मानिकपुरी, गोकुल गौतम, लीलागर गौतम, श्रीकांत वर्मा, धरम बर्रे सहित बड़ी संख्या में जनसैलाब मौजूद रहे।

केसदा और डोगरिया धान खरीदी केंद्रों में पूजा-अर्चना के साथ धान खरीदी का शुभारंभ, किसानों का शाल-श्रीफल से सम्मान

जनता के गोठ/ओंकार साहू

बलौदाबाजार। खरीफ विपणन वर्ष के अंतर्गत 15 नवंबर को नवनिर्मित प्राथमिक कृषि शाखा समिति केसदा पंजीयन क्रमांक 523 एवं धान खरीदी केंद्र डोगरिया समिति क्रमांक 209 में विधिवत धान खरीदी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, समिति पदाधिकारियों एवं किसानों की उपस्थिति में किसानों का सम्मान कर धान तौलने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

केसदा धान खरीदी केंद्र में आनंद यादव रहे मुख्य अतिथि

नवनिर्मित प्राथमिक कृषि शाखा समिति केसदा में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष आनंद यादव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऋषिकांत बबलू पटेल सभापति एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि सिमगा, ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सोसायटी अध्यक्ष छगनलाल वर्मा,सरपंच शिवकुमार तुरकाने एवं जनपद सदस्य शिवलाल ध्रुव उपस्थित रहे। इस अवसर पर समिति प्रबंधक राजेंद्र जसवाल, कंप्यूटर



ऑपरेटर पुरुषोत्तम जसवाल, कोमल वर्मा, हिरा राम वर्मा, देवचरण देवांगन, ओमप्रकाश साहू, लोकनाथ, नीलम वर्मा एवं रामचंद यदु सहित बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान किसान राजेंद्र वर्मा एवं धनीराम वर्मा का अतिथियों द्वारा शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। इसके पश्चात दोनों किसानों के धान की तौल कर खरीदी कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती आरती साहू की भी विशेष उपस्थिति रही।

डोगरिया समिति में भी शुरू हुई धान खरीदी

इसी क्रम में धान खरीदी केंद्र डोगरिया समिति क्रमांक 209 में भी 15 नवंबर को धान खरीदी का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद यादव रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता ऋषिकांत बबलू पटेल, सभापति एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि सिमगा ने की।

कार्यक्रम में सरपंच मालिकराम जसवाल, रिंगनी सरपंच प्रतिनिधि मेनजीत, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि सम्मी टंडन, समिति प्रबंधक ओमप्रकाश जसवाल, मनोहर जांगड़े, संतोष कुमार वर्मा, शंकर ध्रुव, सोनू, नंदकुमार एवं दौलत विश्वकर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शुभारंभ अवसर पर किसान बाबूलाल जसवाल एवं चंद्रभूषण बघेल का अतिथियों द्वारा शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। इसके बाद किसानों के धान की तौल कर खरीदी कार्य प्रारंभ किया गया।

सुश्री ममता टंडन ने कांग्रेस से रिसाली महापौर पद हेतु अपनी दावेदारी प्रस्तुत की



अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

रिसाली / दुर्ग - नगर पालिक निगम रिसाली के चुनाव में भाजपा व कांग्रेस में महापौर प्रत्यासी को लेकर सख्या बढ़ती ही जा रही है।कांग्रेस में एक दर्जन से अधिक महिला दावेदारों ने अपनी अपनी दावेदारी की है। आज की ताज़ा खबरों में कांग्रेस से महापौर पद हेतु पी एच डी /सिविल इंजीनियर सुश्री ममता टंडन ने टिकट की माग की है। इनका कहना है की वे विगत सोलह साल से कांग्रेस में रहकर कार्य कर रही है। चुकी नगर पालिक निगम रिसाली का मेयर पद एस सी महिला के लिय आरक्षित हुआ है , इस लिहाज मैं अपने कार्य क्षमता के अनुरूप कांग्रेस से महापौर पद हेतु दावेदारी कर रही हुं , क्योंकि अब राजनीति में पढ़े लिखे स्वतंत्र विचार वाली महिलाओं का राजनीति में आकर आम जनता के लिए उनसे जुड़कर कार्य करना जरूरी है। मैं कांग्रेस के नीति रीति के अनुरूप कार्य करने के लिए हमेशा समर्पित रहूंगी , और साथ में उन्होंने कहा कि वे लोगों के हितों के कार्यो के लिए सदा समर्पित रहेंगी।

खड़े ट्रेलर से टकराई रॉयल यात्री बस: 2 यात्रियों की मौत, 6 घायल, गंभीर हालत में एक रायपुर रेफ़र

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में रविवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। कटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार स्थित अनूप ढाबा के पास रायपुर से अंबिकापुर जा रही रॉयल यात्री बस सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। इस दर्दनाक हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में एक की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफ़र किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रॉयल यात्री बस रायपुर से यात्रियों को लेकर अंबिकापुर की ओर जा रही थी। रविवार तड़के करीब 3 बजे जब बस कटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार स्थित अनूप ढाबा के पास पहुंची, तभी सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बस चालक ट्रेलर को समय रहते नहीं देख पाया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। हादसे के बाद मौके पर अफ़रा-तफ़री मच गई। दुर्घटना में दो यात्रियों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। वहीं छह यात्री घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही घायलों को तत्काल कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि एक घायल यात्री की स्थिति गंभीर है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफ़र किया गया है। अन्य पांच घायलों का उपचार कटघोरा सीएचसी में जारी है। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर बस चालक की लापरवाही, वाहन की गति और सड़क किनारे खड़े ट्रेलर की स्थिति सहित विभिन्न पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फ़िर राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अंधेरे में सड़क किनारे खड़े ट्रेलर और अन्य भारी वाहनों के कारण इस तरह की दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। फ़िलहाल पुलिस जांच के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

एनएसएस शिविर में स्वच्छता की अलख, बाढ़ पीड़ित परिवारों की मदद को आगे आए स्वयंसेवक

कानूनी अधिकारों, नशामुक्ति और स्वास्थ्य जागरूकता पर आयोजित हुई विशेष परिचर्चा

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करीतगांव द्वारा ग्राम पंचायत गुमडेल के आश्रित ग्राम कुरुषपाल में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाकर सेवा और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद कर मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय भी दिया।

शिविर के द्वितीय दिवस स्वयंसेवकों ने ग्राम पंचायत भवन, विद्यालय, सार्वजनिक नल सहित गांव के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई अभियान चलाया। इसके साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। गांव में बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त एवं गिरे



मकानों से प्रभावित परिवारों की सहायता कर उन्हें सहयोग प्रदान किया गया। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए नशामुक्त समाज बनाने का संदेश भी दिया।

शाम को आयोजित बौद्धिक परिचर्चा में उच्च न्यायालय की अधिवक्ता ऋचा सिंह, जिला एवं सत्र न्यायालय जगदलपुर की अधिवक्ता रूखमणि निर्मलकर, सक्रिय एनएसएस स्वयंसेवक भुवनेश्वर कश्यप, सुशी लक्ष्मी कश्यप एवं जमुना नाग ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार रखे।

परिचर्चा में पॉक्सो अधिनियम, बच्चों के कानूनी अधिकार, अनुशासन, स्वच्छता, टीबी मुक्त युवा अभियान और नशामुक्ति जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने स्वयंसेवकों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने के साथ समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

सात दिवसीय विशेष शिविर का संचालन कार्यक्रम अधिकारी राहुल सिंह ठाकुर, सहायक कार्यक्रम अधिकारी वाणी हुमने एवं लोकेश निषाद के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। आयोजन में विद्यालय की शिक्षिका नेहा देवांगन एवं सुनीता सोरी का विशेष सहयोग मिल रहा है।

शिविर की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवक स्वच्छता, सामाजिक सेवा, आपसी सहयोग और जनजागरूकता का संदेश ग्रामीणों तक पहुंचा रहे हैं। शिविर का उद्देश्य स्वच्छ गांव, स्वस्थ युवा और नशामुक्त समाज के संकल्प को मजबूत करना है।

अन्नदाताओं ने स्वयं विधिवत पूजा-अर्चना कर किया धान खरीदी उत्सव का शुभारंभ, कलेक्टर ने तिलक-माला से किसानों का सम्मान कर दी शुभकामनाएं

बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर जिले में धान खरीदी उत्सव 2026-27 का शुभारंभ कृषक बंधुओं ने स्वयं विधिवत पूजा-अर्चना कर किया। बलरामपुर धान उपार्जन केंद्र में परंपरा के अनुरूप किसानों ने तौल मशीन और बांट की पूजा की, जिसके बाद कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने धान बेचने पहुंचे किसान संतन सिंह एवं संतोष यादव का तिलक लगाकर और माला पहनाकर सम्मान किया, उनका मुंह मीठा कराया तथा सभी कृषक बंधुओं को शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही धान की तौल कर खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत की गई। प्रथम दिवस जिले के कई उपार्जन केंद्रों में सुबह से ही किसानों की चहल-पहल रही और जगह-जगह पूजा-अर्चना के साथ खरीदी प्रारंभ हुई। प्रथम दिवस वीरेंद्रनगर, रघुनाथनगर, बरदर, वाड्रफनगर, बसंतपुर, डोंगरो, बरियों, सरना, रामानुजगंज, जमड़ी, त्रिकुंडा, बलंगी, और रामनगर सहित कई समितियों में किसानों ने धान का विक्रय किया।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि समर्थन



मूल्य पर किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ तक धान खरीदा जा रहा है। उपार्जन केंद्रों में प्रति बोरा 40 किलोग्राम धान की भर्ती होगी तथा नए जूट बारदाने का वजन 545 से 626 ग्राम तक मान्य रहेगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे 'तुहर टोकन' मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे टोकन प्राप्त करें और साफ-सुथरा, सूखा धान निर्धारित तिथि पर केंद्र में लेकर आएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य पारदर्शी व्यवस्था के साथ मिले, यह प्रशासन की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केंद्र में संधारित टोकन, बारदाना, फड़ मुंशी, धान खरीदी, धान उठाव, रिजेक्ट, स्टॉक एवं निरीक्षण पंजी का अवलोकन किया तथा हमालों की अद्यतन स्थिति के लिए हमाल रजिस्टर में नियमित एंट्री सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

पहले दिन धान बेचने पहुंचे ओबरी के किसान श्री संतन सिंह ने बताया कि वे लगभग 7 एकड़ में खेती करते हैं और आज उन्होंने 50 क्विंटल (125 बोरा) धान समिति में बेचा है। उन्होंने कहा कि शासन के किसान हितैषी निर्णयों से किसान काफी खुश हैं। जतरो और अलगडीहा में खेती करने वाले किसान श्री संतोष यादव ने बताया कि उन्होंने आज 16 क्विंटल 40 किलो (41 बोरी) धान का विक्रय किया है और केंद्र की व्यवस्था सुगम रही। धान खरीदी केंद्र में पहुंचने पर किसान सर्वप्रथम आवक पंजी में अपना पंजीयन कराएंगे, जिसके बाद वे अपना धान फड़ में लेकर जाएंगे। यहां किसान अथवा पंजीकृत नॉमिनी का बायोमेट्रिक सत्यापन होगा और सत्यापन पूर्ण होने पर धान को निर्धारित स्थान पर खाली कराया जाएगा।

दुर्ग जिले के 2 हजार किसानों के 8365 खसरे पोर्टल से शून्य या तो कम , एग्रीस्टेक और डीसीएस सर्वे में नाम होने के बावजूद हजारों खसरे गायब : राकेश ठाकुर

धान खरीदी शुरू होते ही व्यवस्थाओं की खुली पोल, रकबा घटने और कटने से किसानों पर मंडराया संकट : राकेश ठाकुर

अंचल वर्मा - जनता के गोठ। दुर्ग, उतई।

दुर्ग - छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत के साथ ही सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच का अंतर खुलकर सामने आ गया है। धान खरीदी केंद्र रिसामा का दौरा कर किसानों की समस्याएं सुनने के बाद जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने राज्य सरकार और प्रशासन को आड़े हाथों लिया है।

लगातार अखबारों में प्रमुखता से छपे आंकड़ों और जमीनी रिपोर्टों के अनुसार, एग्रीस्टेक पंजीयन और डीसीएस सर्वे में नाम दर्ज होने के बावजूद दुर्ग जिले में बड़ी संख्या में किसानों के खसरे पोर्टल से गायब हैं या उनका रकबा कम प्रदर्शित हो रहा है। कई किसानों की धान की फसल कट चुकी है, लेकिन टोकन ऐप में खसरा प्रदर्शित न होने या रकबा कम बताने की वजह से वे टोकन नहीं ले पा रहे हैं। नतीजतन, अन्नदाता अपना काम-धाम छोड़कर समिति व तहसील कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

सरकार की व्यवस्था फेल , अन्नदाता असमंजस और कर्ज के दलदल में :-

दुर्ग ग्रामीण जिलाअध्यक्ष राकेश ठाकुर ने रिसामा धान खरीदी केंद्र में किसानों का दर्द साझा करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कड़े शब्दों में कहा की ÷सरकार एक तरफ किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदने का ढिंढोरा पीट रही है, वहीं दूसरी तरफ 'एग्रीस्टेक' और 'टोकन ऐप' के नाम पर ऐसा घालमेल किया गया है कि हजारों किसानों के खसरे और रकबे ही गायब हो चुके हैं। दुर्ग जिले में 2 हजार से अधिक किसानों के 8365 खसरे पोर्टल पर अपडेट नहीं हैं। किसान अपनी कटी हुई फसल को लेकर समितियों और तहसीलों के चक्कर काट रहा है, लेकिन अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी टाल रहे हैं। सरकार की यह तकनीकी विफलता किसानों के साथ सीधा छलावा है।÷

अधिकारियों के विरोधाभासी बयानों से बढ़ रहा किसानों का असमंजस



कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि अखबारों में लगातार सामने आए आंकड़ों और मामलों के मुताबिक, इस गंभीर समस्या पर जिले के जिम्मेदार अधिकारी गोलमोल और अलग-अलग जवाब दे रहे हैं, जिससे किसानों की परेशानी और बढ़ गई है।

जिम्मेदार अधिकारियों के जवाब सुनिये - राकेश ठाकुर

पाटन के तहसीलदार मनोज गुप्ता का कहना है कि टोकन ऐप में खसरा प्रदर्शित नहीं होने संबंधी किसानों के आवेदन लगातार आ रहे हैं, और चूंकि यह समिति मॉड्यूल से जुड़ा है, इसलिए इसका सुधार जिला कार्यालय स्तर पर होगा।

वहीं धमधा के तहसीलदार हुलेश्वर नाथ खुटे का कहना है कि वे दावों-आपत्तियों का निराकरण कर आवेदन भेज चुके हैं।

जिला विपणन अधिकारी राहुल कुमार का स्पष्ट कहना है कि टोकन ऐप में खसरा प्रदर्शित न होने संबंधी त्रुटियों का सुधार 'फूड' या 'भू-अभिलेख' विभाग के माध्यम से होगा।



दूसरी ओर सबसे महत्वपूर्ण विभाग , खाद्य नियंत्रक अनुराग सिंह भदौरिया का कहना है कि पंजीकृत किसानों और रकबे की सही जानकारी डीएमओ के पास होती है।

वहीं सहकारिता बैंक के सीईओ एस.के. वर्मा के अनुसार, टोकन ऐप में सुधार के लिए तहसील में दावा-आपत्ति देनी होगी, क्योंकि डीसीएस का कार्य वही विभाग करता है और फिर राजस्व विभाग एनआईसी रायपुर को सुधार के लिए भेजेगा।

इस प्रकार सभी अधिकारी सीधे सीधे अपने काम से पल्ला झाड़ रहे है ऐसी स्थिति में किसान कहां जाएगा और क्या करेगा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के अनुसार दुर्ग जिले में 2 हजार से अधिक किसानों के 8365 खसरे धान खरीदी के पोर्टल पर अपडेट नहीं किए जा सके हैं। दुर्ग जिले के लगभग 2 हजार किसानों का रकबा शून्य या कम कर दिया गया है। खेत मे धान का फसल खड़े होने के बावजूद डीसीएस में पूरा शो हो रहा है, लेकिन टोकन ऐप में रकबा काफी कम तो बहुत से किसानों का रकबा शून्य दिखाया जा रहा है।

धान न बिक पाने के तनाव और डेढ़ एकड़ रकबा कटने से परेशान दुर्ग के एक किसान ने आत्महत्या तक की चेतावनी दे डाली है, जो प्रशासनिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने तत्काल शिविर लगाकर इन तकनीकी त्रुटियों और गायब खसरों को ऑनलाइन अपडेट नहीं किया, तो कांग्रेस किसानों के हितों की रक्षा के लिए जोरदार आंदोलन छेड़ेगी।

पटवारियों की हड़ताल से ठप पड़े सुधार :

जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा की ईधर जिले के पटवारी पहले से ही अपने मांग और अन्य मुद्दों को लेकर हड़ताल पर हैं, जिससे नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और रिकॉर्ड सुधार के कार्य पूरी तरह ठप हैं और लगभग 33 हजार आय, जाति, निवास के आवेदन भी अटके पड़े हैं।

धान खरीदी केंद्र रिसामा के दौरा के दौरान योगिता चंद्राकर, गीता महानंद, पिलेश्वर साहू, घनश्याम गजपाल, बैकुंठ महानंद, संदीप चंद्राकर, तीरथ चंद्रकार, युगल किशोर गजपाल, वीरेंद्र साहू, रोशन साहू, गीतेश्वर साहू, नरेंद्र ठाकुर, चुरामन साहू, दादू यादव, दानेश्वर पटेल सहित किसान एवं कांग्रेसजन मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जिले की दो स्वास्थ्य संस्थाओं को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणन



गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, 14 नवंबर 2026/ जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण और जनसुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। जिले की दो स्वास्थ्य संस्थाओं, विकासखंड पेण्ड्रा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आमाडांड एवं विकासखंड मरवाही के उप स्वास्थ्य केंद्र परासी को भारत सरकार के राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के अंतर्गत निर्धारित गुणवत्ता मापदंडों पर खरा उतरने के फलस्वरूप प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के निरंतर सुधार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के अंतर्गत स्वास्थ्य संस्थाओं में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, संक्रमण नियंत्रण, मरीजों की सुरक्षा, उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग तथा स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर प्रबंधन जैसे विभिन्न मापदंडों का मूल्यांकन किया जाता है। इन मानकों पर खरा उतरते हुए दोनों स्वास्थ्य संस्थाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त किया है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में सुविधाओं के विस्तार, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार तथा मरीजों को सुरक्षित एवं बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी का सकारात्मक परिणाम है कि जिले की दो स्वास्थ्य संस्थाओं को राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त हुआ है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा ने इस उपलब्धि को जिले के स्वास्थ्य विभाग के लिए गौरव का विषय बताया है। उन्होंने कहा कि यह सफलता संबंधित स्वास्थ्य संस्थाओं के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास, समर्पण और बेहतर कार्यप्रणाली का परिणाम है।इस उपलब्धि में जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री विभा टोप्पो एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम का समन्वय, सतत निगरानी और मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस पर 17 नवंबर को दानीकुंडी में होगा जिला स्तरीय समारोह विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची होंगे मुख्य अतिथि

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। राज्य शासन के निर्णयानुसार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस अवसर पर 16 से 18 नवंबर तक जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा 17 नवंबर को मरवाही विकासखंड के ग्राम दानीकुंडी में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में मरवाही विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन जनजातीय समाज के महान स्वतंत्रता सेनानियों, वीर नायकों एवं महापुरुषों के योगदान को स्मरण करने तथा जनजातीय संस्कृति, परंपराओं एवं गौरवशाली विरासत के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने जिला स्तरीय समारोह के सफल, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आयोजन संबंधी आवश्यक दायित्व सौंपते हुए आपसी समन्वय से सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन द्वारा जनजातीय गौरव दिवस समारोह को गरिमामय स्वरूप देने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

बिलासपुर जिले में पर्यावरणीय स्वीकृति के बाद ही सात रेत खदानें स्वीकृत

बिलासपुर। जिले में वर्तमान में सात रेत खदानें नियमानुसार पर्यावरणीय सम्मति प्राप्त होने के उपरांत स्वीकृत की गई हैं। इनमें सोढाखुर्द, करही कच्छार, अमलडीहा, उदयबंद, निरतु, कच्छार एवं कुकुरदिकला-2 शामिल हैं। उप संचालक, खनिज प्रशासन विभाग, बिलासपुर श्री किशोर गोलघाटे ने यह जानकारी दी। श्री गोलघाटे ने बताया कि जिले की छह अन्य प्रस्तावित रेत खदानों—लमेर, लोफन्दी, घुटकू, उदयबंद-2, उदयबंद-3 एवं कुकुरदिकला—के लिए पर्यावरणीय सम्मति प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिलासपुर जिले में ऐसी कोई भी रेत खदान संचालित नहीं है, जिसे पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त न हो।

जिले के 1.36 लाख किसानों ने कराया पंजीयन

दो माह तक चलने वाले राज्य सरकार के सबसे बड़े अभियान की तैयारियां पूर्ण

- अन्नदाताओं के स्वागत को तैयार बिलासपुर के सभी 154 धान उपार्जन केंद्र, खरीदी 15 नवंबर से
- कलेक्टर और एसएसपी ने सेंदरी केंद्र का किया निरीक्षण, सभी नोडल अधिकारियों ने दी केंद्र तैयार होने की रिपोर्ट

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में अन्नदाताओं की उपज की खरीदी के लिए दो माह तक चलने वाले राज्य सरकार के सबसे बड़े अभियान का शुभारंभ 15 नवंबर से होगा। बिलासपुर जिले में धान खरीदी की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जिले के सभी 154 उपार्जन केंद्र किसानों के स्वागत के लिए तैयार हैं। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में धान बेचने के लिए जिले के लगभग 1 लाख 36 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। किसानों की सुविधा, पारदर्शिता और सुचारु खरीदी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए केंद्रों में आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने सेंदरी धान उपार्जन केंद्र का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र में धान खरीदी के लिए की गई व्यवस्थाएं देखीं। जिले के सभी उपार्जन केंद्रों के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों ने भी अपने केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियां पूर्ण होने की रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। जिला प्रशासन द्वारा खाद्य एवं संबंधित विभागों के समन्वय से खरीदी व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। उपार्जन केंद्रों में बारदाने, इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरण और ऑनलाइन खरीदी प्रक्रिया सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। प्रशासन का प्रयास है कि किसानों को



अपनी मेहनत की उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुविधाजनक ढंग से खरीदी संपन्न हो। पहले दिन के लिए 151 टोकन जारी, 504.18 मीट्रिक टन धान की आवक प्रस्तावित- 15 नवंबर को धान विक्रय के लिए 14 नवंबर की रिपोर्ट के अनुसार जिले के 95 उपार्जन केंद्रों के लिए कुल 151 टोकन जारी किए जा चुके हैं। इनमें 62 टोकन समितियों के माध्यम से और 89 टोकन मोबाइल एप से जारी हुए हैं। इन टोकनों के अनुसार कुल 504.18 मीट्रिक टन धान की आवक प्रस्तावित है। इसमें समितियों द्वारा जारी टोकन की मात्रा 159.38 मीट्रिक टन और मोबाइल एप से जारी टोकन की मात्रा 344.80 मीट्रिक टन है। टोकन में निर्धारित तिथि पर धान लेकर पहुंचें किसान- धान खरीदी की व्यवस्था टोकन आधारित रहेगी। किसान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन अथवा 'तुंहर टोकन' मोबाइल एप से टोकन प्राप्त कर सकते हैं। किसानों से अपील की गई है कि वे टोकन में उल्लिखित तिथि पर संबंधित उपार्जन केंद्र में धान लेकर पहुंचें। धान विक्रय के समय अपना आधार कार्ड एवं आवश्यक दस्तावेज साथ रखें। खरीदी एवं तौल के दौरान टोकन के आधार पर आधार सत्यापन किया जाएगा।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप किसानों की सुविधा और सहूलियत के साथ धान खरीदी संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। विभागीय अधिकारियों और केंद्र प्रभारियों के समन्वय से जिले में व्यवस्थित एवं पारदर्शी खरीदी सुनिश्चित की जाएगी।

मधुमेह दिवस पर निकली जागरूकता रैली स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

बिलासपुर। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर आज विवेकानंद गार्डन (कंपनी गार्डन) में मधुमेह के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला बिलासपुर के संरक्षक श्री संजय अग्रवाल विशेष रूप से मौजूद रहे। रैली के माध्यम से नागरिकों को मधुमेह से बचाव, नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित खानपान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जिले के वरिष्ठ चिकित्सकों, गणमान्य नागरिकों सहित भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के रोवर्स एवं रेंजर्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जागरूकता रैली के माध्यम से आम नागरिकों को मधुमेह के कारणों, लक्षणों और इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। लोगों को



नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, शारीरिक सक्रियता और समय-समय पर रक्त शर्करा की जांच कराने के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही मधुमेह के प्रति सजग रहने और दैनिक जीवन में स्वस्थ आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। रैली के जरिए यह संदेश दिया गया कि समय पर जांच, उचित खानपान और नियमित शारीरिक गतिविधियों से मधुमेह के जोखिम को कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला मुख्यालय आयुक्त स्काउट श्री टुकेश्वर यादव, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट श्री संतोष कुमार त्रिपाठी, जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्री महेंद्र बाबू टंडन, गाइडर श्रीमती चेतना सिंह ठाकुर, सुश्री कौशल्या साहू सहित रोवर्स एवं रेंजर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में मधुमेह के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाना था। रैली के माध्यम से नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित स्वास्थ्य जांच को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

अवैध धान के भंडारण पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 240 बोरी धान जब्त....

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले जिले में अवैध धान के भंडारण एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने आज तहसील पेण्ड्रारोड के ग्राम बरवासन में दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल 240 बोरी अवैध रूप से भंडारित धान जब्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जांच के दौरान ग्राम बरवासन निवासी राजेंद्र गुज्जर की बाड़ी में ट्रैक्टर में रखी 35 बोरी तथा खुले में रखी 100 बोरी सहित कुल 135 बोरी धान पाया गया। इसी प्रकार जीवन सिंह मारको के यहां अवैध



पाया गया। संयुक्त जांच दल द्वारा दोनों स्थानों से कुल 240 बोरी धान जब्त कर ग्राम कोटवार की अभिरक्षा में सौंपा गया। जांच के दौरान संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ करने पर यह तथ्य सामने आया कि दोनों के खेतों में अभी तक धान की कटाई एवं मिसाई नहीं हुई है। पूछताछ में यह भी जानकारी मिली कि उक्त धान अन्य किसान के खेत से लाकर भंडारित किया गया था। इस आधार पर जांच दल द्वारा धान जब्ती की कार्रवाई की गई।उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ की जा रही है। इसके मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान के भंडारण, परिवहन एवं समर्थन मूल्य पर अनियमित बिक्री की संभावनाओं को रोकने के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ ही जिले के विभिन्न स्थानों पर राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जांच एवं कार्रवाई की जा रही है।

विकास व निर्माण कार्यो की कार्य प्रगति में देरी कतई स्वीकार्य नहीं, गुणवत्ता व समयसीमा पर दें विशेष ध्यान-आयुक्त

कोरबा। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने नगर पालिक निगम कोरबा के अभियंताओं व अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुये कहा कि विकास व निर्माण कार्यो की कार्यप्रगति में देरी कतई स्वीकार्य नहीं की जायेगी, अत: निगम द्वारा कराये जा रहे विकास व निर्माण कार्यो की कार्यप्रगति में अपेक्षित तेजी लायें तथा निर्माण कार्य के दौरान कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। उन्होने कहा कि विकास कार्य समयसीमा के अंदर पूर्ण किया जाना भी सुनिश्चित करायें, साथ ही स्वीकृत कार्यो की निविदा आदि की प्रक्रिया नियमानुसार समय पर पूर्ण करते हुये निर्माण कार्यो को प्रारंभ करायें। उन्होने निर्धारित मानक के अनुरूप नियमित रूप से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा सड़क रोशनी व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के निर्देश भीं अधिकारियों केा दिये। आयुक्त श्री पाण्डेय ने नगर पालिक निगम केारबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित एमआईसी कक्ष में निगम के जोन कमिश्नरों व अधिकारियों की बैठक लेकर विकास व निर्माण कार्यो, जल आपूर्ति व्यवस्था, साफ-सफाई तथा सड़क रोशनी व्यवस्था आदि से जुड़े कार्यो सहित जनसेवाओं व सुविधाओं से जुड़े अन्य विविध कार्यो की कार्यप्रगति की बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होने जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना मद, आदिवासी विकास प्राधिकरण मद, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, सांसद मद, विधायक मद, प्रभारी मंत्री मद, वित्त आयोग मद, एनकेप, सीएसआर मद, निगम मद, महापौर मद, पार्षद मद सहित अन्य विभिन्न मदों के अंतर्गत प्रगतिरत व प्रस्तावित विकास कार्यो की जोनवार व मदवार समीक्षा करते हुये कार्यो में अपेक्षित तेजी लाने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री के संभावित प्रवास के मद्देनजर तैयारियां तेज, कलेक्टर-एसएसपी ने किया कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के 16 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में बिलासपुर आगमन की प्रबल संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय से सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री श्री साय गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। वे यहां 'स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों का योगदान'



विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ भी करेंगे। मुख्यमंत्री लाल बहादुर शास्त्री स्कूल परिसर में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित आमसभा को संबोधित करेंगे तथा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री के संभावित प्रवास में सेंदरी स्थित कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट और धान खरीदी केंद्र का अवलोकन भी प्रस्तावित है। इसके अलावा जिला कार्यालय के न्यू कंपोजिट भवन के भूतल में भारतीय स्टेट बैंक के सीएसआर मद से तैयार कंप्यूटर लैब का शुभारंभ तथा पुराना बस स्टैंड स्थित नवनिर्मित ऑटोमेटेड कार पार्किंग का लोकार्पण प्रस्तावित है। कलेक्टर और एसएसपी ने इन सभी स्थलों का दौरा कर सुरक्षा, पार्किंग, मंच, बैठक व्यवस्था, पेयजल और शौचालय सहित आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कार्यक्रम स्थलों पर व्यवस्थित प्रवेश एवं निकास, आम नागरिकों के सुगम आवागमन तथा पर्याप्त पार्किंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयोजन समिति के पदाधिकारियों से चर्चा कर उनके सुझाव भी लिए गए। तैयारियों के अंतर्गत कार्यक्रम स्थलों एवं पहुंच मार्गों की साफ-सफाई, संकेतक लगाने, विद्युत आपूर्ति और वैकल्पिक बिजली व्यवस्था, ध्वनि प्रणाली की जांच तथा चिकित्सा दल एवं एंबुलेंस की उपलब्धता के भी निर्देश दिए। आमसभा में आने वाले बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगजनों की सुविधा के अनुरूप बैठक एवं आवागमन की व्यवस्था की जाएगी। यातायात और भीड़ प्रबंधन के लिए पुलिस एवं संबंधित विभागों के समन्वय से व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में आधुनिक ट्रैक मशीनों से रेल पथ अनुरक्षण को मिली नई गति

- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 92 आधुनिक ट्रैक मशीनें रेल संरक्षा एवं उच्च गति रेल परिचालन को दे रही हैं मजबूती
- वित्तीय वर्ष 2026-27 में अक्टूबर तक 4,732 किलोमीटर प्लेन ट्रैक टैंपिंग, 1,918 टर्नआउट टैंपिंग तथा 216 किलोमीटर डीप स्क्रीनिंग का कार्य सम्पन्न

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे लगभग 5,500 ट्रैक किलोमीटर के विशाल रेल नेटवर्क पर प्रतिदिन लगभग 400 से अधिक यात्री एवं मालगाड़ियों का संरक्षित परिचालन सुनिश्चित कर रहा है। इतनी व्यापक रेल संरचना के संरक्षित एवं निर्बाध संचालन के लिए रेल पथ का नियमित एवं उच्च गुणवत्ता वाला अनुरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आधुनिक तकनीक एवं अत्याधुनिक ट्रैक मशीनों के माध्यम से रेल पथ अनुरक्षण को नई गति प्रदान की जा रही है। रेलवे ट्रैक केवल दो रेल पटरियों का समूह नहीं है, बल्कि यह रेल, स्लीपर, बैलास्ट (गिट्टी), फास्टनिंग एवं निर्धारित ज्यामितीय मानकों से मिलकर बनी एक अत्यंत महत्वपूर्ण संरचना है। ट्रैक की लाइनिंग, लेवलिंग, अलाइनमेंट तथा बैलास्ट की गुणवत्ता सीधे तौर पर रेल परिचालन की संरक्षा, गति और यात्रियों के आरामदायक सफर को प्रभावित करती है। इसलिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे आधुनिक तकनीक आधारित ट्रैक मशीनों के माध्यम से रेल पथ अनुरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। आधुनिक ट्रैक मशीनों के उपयोग से ट्रैक अनुरक्षण कार्य अधिक तेज, सटीक, संरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न हो रहे हैं। इन मशीनों के माध्यम से भारी-भरकम कार्य कम समय में किए जा रहे हैं। साथ ही,



उपलब्ध ट्रैफिक ब्लॉक का बेहतर उपयोग करते हुए ट्रेनों के परिचालन पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है तथा रेलकर्मियों की संरक्षा भी सुनिश्चित होती है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में तीसरी, चौथी एवं नई रेल लाइनों के निर्माण के साथ-साथ विद्यमान रेल पथ के अनुरक्षण में ट्रैक मशीनों की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। विशेष रूप से नागपुर-झारसुगुड़ा मुख्य रेलखंड पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से रेल परिचालन को ध्यान में रखते हुए उच्च गुणवत्ता वाले ट्रैक अनुरक्षण की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेल पथ अनुरक्षण के लिए कुल 92 आधुनिक ट्रैक मशीनें कार्यरत हैं। इनमें सीएसएम, ड्योमैटिक, एमपीटी, यूनिमेट, बीसीएम, एफआरएम, पीक्यूआरएस, टी-28, बीआरएम, डीजीएस, यूटीवी सहित अनेक अत्याधुनिक मशीनें शामिल हैं। इन मशीनों के संचालन एवं रखरखाव के लिए ट्रैक मशीन संगठन में लगभग 900 प्रशिक्षित एवं समर्पित कर्मचारी कार्यरत हैं, जो दिन-रात रेल पथ को बेहतर एवं संरक्षित बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसी दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में 01 अप्रैल से 31 अक्टूबर 2026 तक उल्लेखनीय अनुरक्षण कार्य किए गए हैं। इस अवधि में 4,732 किलोमीटर प्लेन ट्रैक टैंपिंग, 1,918 टर्नआउट टैंपिंग तथा 216 किलोमीटर डीप स्क्रीनिंग (गिट्टी छनाई) का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है। इसके अतिरिक्त 102 किलोमीटर शोल्डर बैलास्ट क्लीनिंग, 126 किलोमीटर ट्रैक रिन्यूअल एवं 69 टर्नआउट रिन्यूअल का कार्य भी पूरा किया गया है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2026 के दौरान भी ट्रैक अनुरक्षण कार्यों को निरंतर गति प्रदान की गई। इस एक माह में 629 किलोमीटर प्लेन ट्रैक टैंपिंग, 183 टर्नआउट टैंपिंग, 24 किलोमीटर डीप स्क्रीनिंग, 3 किलोमीटर शोल्डर बैलास्ट क्लीनिंग, 15.5 किलोमीटर ट्रैक रिन्यूअल तथा 4 टर्नआउट रिन्यूअल का कार्य किया गया। रेल पथ अनुरक्षण का कार्य दिन-रात एवं हर मौसम में निरंतर चलता रहता है।

छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य 18 नवंबर को जीपीएम जिले के प्रवास पर

गौरेला-पेण्ड्रा। छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त श्री आर.एस. विश्वकर्मा सहित आयोग के सदस्य एवं सचिव आगामी 18 नवंबर को गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न विभागों द्वारा संचालित शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों में अन्य पिछड़ा वर्ग की भागीदारी तथा ओबीसी सर्वे डाटा प्रविष्टि की प्रगति की समीक्षा करेंगे। निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार 18 नवंबर को प्रात: 11 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कलेक्टरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित होगी। बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण एवं विकास से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन, हितग्राहियों की भागीदारी तथा ओबीसी सर्वे डाटा प्रविष्टि की समीक्षा की जाएगी। आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य दोपहर 2 बजे से 2:30 बजे तक सर्किट हाउस के सभाकक्ष में पिछड़ा वर्ग समाज के जनप्रतिनिधियों से भेंट एवं चर्चा करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 2:30 बजे प्रेसवार्ता आयोजित होगी। आयोग के पदाधिकारी दोपहर 2:45 बजे पेण्ड्रा से अमरकंटक के लिए प्रस्थान करेंगे।



करण जौहर ने किया विजय-रश्मिका और रणवीर-दीपिका का बचाव

निर्देशक और चैट शो होस्ट करण जौहर ने सेलिब्रिटी जोड़ों को लेकर हो रही तीखी ऑनलाइन ट्रोलिंग की कड़ी निंदा की है। उन्होंने 'कॉफी विद करण' सीजन 9 में नजर आने वाले कलाकारों- विजय देवरकोंडा, रश्मिका मंदाना, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण का समर्थन किया है। सोशल मीडिया पर इन कलाकारों के बारे में जिस तरह की बातें हो रही हैं, उसे लेकर निर्देशक ने इस प्रतिक्रिया को पूरी तरह से दकियानूसी करार दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर इंटरनेट यूजर्स को सेलिब्रिटीज की जिंदगी में दखल देने का हक किसने दिया है।

सेलिब्रेटी जोड़े पर बोले करण

बातचीत में करण जौहर ने सबसे पहले 'कॉफी विद करण' सीजन 9 में एक साथ नजर आने वाले विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना को लेकर हो रही ऑनलाइन चर्चाओं पर बात की। हालांकि उन्होंने माना कि पब्लिक फिगर्स पर लोग अपनी राय दे सकते हैं, मगर करण ने अपनी राय रखने और किसी की निजी पसंद-नापसंद तय करने के बीच एक लकीर खींची। करण ने कहा, 'हर किसी को अपनी राय रखने का हक है। मगर जब आप उन्हें यह बताने लगें कि उन्हें अपने रिश्ते में क्या करना चाहिए, तो मुझे इससे दिक्कत है।'

यूजर्स पर भड़के करण जौहर

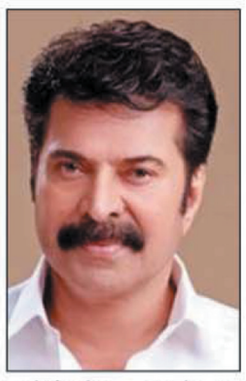
'कॉफी विद करण' के होस्ट ने रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण का भी बचाव किया, जिन्हें पिछले सीजन में अपनी पुरानी डेटिंग लाइफ के बारे में खुलासे करने के बाद ऑनलाइन तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि यह जोड़ा बस ईमानदारी से अपनी बात रख रहा था। इस मामले पर करण जौहर ने कहा, 'वे बस अपनी जिंदगी के बारे में ईमानदारी से बात कर रहे थे। ईमानदारी को कब से जज किया जाने लगा? आपको किसी की ईमानदारी की तारीफ करनी चाहिए।'

रिश्ते का अंजाम तय ना करें

करण जौहर ने इंटरनेट यूजर्स की तरफ से सेलिब्रिटीज के परिवार वालों को भी ऑनलाइन बहसों में घसीटने की निंदा की। उन्होंने कहा कि फैंस और कमेंट करने वालों को एक-दूसरे की सीमाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'किसी जोड़े को यह मत बताइए कि उन्हें क्या करना चाहिए। आप उनके बारे में अपनी राय रख सकते हैं, लेकिन आप उनके रिश्ते का अंजाम तय नहीं कर सकते।'



मम्मूट्टी-मम्मूट्टी कहते-कहते अब उनके साथ काम कर रही हूं, शायद मैंने ही मैनिफेस्ट कर लिया!



'ओम: चैप्टर 1 - उधिरम: द ब्लड वुड' के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च का, जहां हजारों की तादाद में पहुंचे फैंस ने इस शाम को किसी बड़े फिल्मी जश्न में बदल दिया। धनुष, मम्मूट्टी, साई पल्लवी, श्रीलीला, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, निर्माता श्रद्धा अग्रवाल और म्यूजिक कंपोजर साई अभ्यंकर की मौजूदगी ने इस महफिल में चार चांद लगा दिए। फिल्म के इस खास जश्न में निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। धनुष सर जैसे इंसान के साथ यह सफर बेहद खूबसूरत रहा है। वहीं राजकुमार सर की फिल्म के प्रति मेहनत, लगन और समर्पण शानदार रहा है। 'ओम' को लेकर दर्शकों ने अब तक जो प्यार और उत्साह दिखाया है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उम्मीद है कि 20 नवंबर को फिल्म सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद यह प्यार और भी बढ़ेगा।' वहीं साई पल्लवी ने अपने खास अंदाज में मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पिछली फिल्म में मैं मम्मूट्टी-मम्मूट्टी कहती रहती थी और अब मम्मूट्टी सर के साथ काम कर रही हूं। पता नहीं, मैंने ही इसे मैनिफेस्ट कर लिया था!'

मम्मूट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर साई बोलीं, 'वह 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं, लेकिन मैंने सेट पर उनसे ज्यादा एनर्जेटिक एक्टर नहीं देखा। वह बिल्कुल बच्चे जैसे हैं। कैमरा रोल होने से पहले ही वह ऐसे प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते रहते थे। उनके साथ काम करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही।' निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने फिल्म और चेन्नई के साथ अपने खास जुड़ाव पर कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। धनुष सर जैसे इंसान के साथ यह सफर बेहद खूबसूरत रहा है। वहीं राजकुमार सर की फिल्म के प्रति मेहनत, लगन और समर्पण शानदार रहा है। 'ओम' को लेकर दर्शकों ने अब तक जो प्यार और उत्साह दिखाया है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उम्मीद है कि 20 नवंबर को फिल्म सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद यह प्यार और भी बढ़ेगा।' श्रद्धा अग्रवाल, धनुष और अजमत जगमग द्वारा आरटेक स्टूडियोज और वंडरबार फिल्म्स के बैनर तले निर्मित 'ओम: चैप्टर 1 - उधिरम: द ब्लड वुड' 20 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



'ऑब्सेशन' के लिए अपनी आवाज देने के बारे में कृति सेनन ने की बात



बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने अपने फैंस को इंटरनेशनल फिल्म 'ऑब्सेशन' के लिए हिंदी आवाज के रूप में माइक्रोफोन के पीछे जाकर जश्न मनाने की एक और वजह दे दी है। फिल्म के हिंदी वर्जन में अलग तरह की आवाज के साथ आर्टिस्टिक सेंसिबिलिटी को जोड़ते हुए कृति ने खुद को इंप्रेस करने वाले प्रोजेक्ट से जुड़ने को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की है। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने भेड़िया टीम यानी डायरेक्टर अमर कौशिक और को-स्टार वरुण धवन के साथ डबिंग स्टूडियो में अपने मिनी रियूनियन के जरिए फैंस के बीच पुरानी यादों को भी ताजा कर दिया है।

कृति ने डबिंग सेशन से खास झलक साझा करते हुए लिखा है, जब वुल्फपैक को किसी चीज का जुनून चढ़ जाए! अपने भेड़ियों यानी वरुण धवन और अमर कौशिक के साथ सेट पर वापस आकर बहुत अच्छा लगा। भले ही यह मौका सिर्फ एक दिन के लिए मिला, लेकिन यादगार रहा। आप दोनों से बहुत प्यार है! कृति ने आगे बताया कि इस अनुभव को खास बनाने वाली बात क्या थी। उन्होंने कहा, एक ऐसी शानदार परफॉर्मेंस के लिए अपनी आवाज देना मेरे लिए बहुत खास अनुभव रहा, जिसने मुझे हैरान कर दिया। फिल्म 'ऑब्सेशन' में इंडेना नवरेटे ने कमाल का काम किया है। डबिंग के दौरान उनकी परफॉर्मेंस देखकर एक बार फिर रोंगटे खड़े हो गए। क्या शानदार फिल्म है और सभी कलाकारों ने बेहतरीन काम किया है। इस फिल्म से छोटे से तौर पर जुड़कर भी मुझे बहुत खुशी है!

फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट अलग लेवल पर पहुंचाते हुए दो हिंदी वर्जन वाले प्रमोशन सीन्स कृति की आवाज में रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें दर्शकों द्वारा शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। फैंस फिल्म से सामने आई जबरदस्त झलक को देखने के बाद बेहद उत्साहित हैं और कृति सेनन की वजह से इसे एक्सपीरियंस करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऑब्सेशन के साथ एक्ट्रेस का जुड़ना एक क्रिएटिव कोलैबोरेशन को चिन्हित करता है, जिससे दर्शन इंटरनेशनल फिल्म को अपनी भाषा में अनुभव कर पाएंगे। अचानक से हुए भेड़िया रियूनियन ने इस अपडेट को और खास बना दिया है, क्योंकि फैंस इस तरह से कृति, वरुण और अमर कौशिक की यादगार तिकड़ी की झलक फिर से देख पा रहे हैं।



फिल्मों के बाद डिजिटल दुनिया में आमिर खान की एंट्री

फिल्मों की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाले आमिर खान और फरहान अख्तर अब डिजिटल एंटरटेनमेंट में भी नया कदम उठाने जा रहे हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने मिलकर एक माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म शुरू करने की तैयारी की है. इस पर दर्शकों को कम समय में पूरी होने वाली कहानियां देखने को मिलेंगी.

इस प्लेटफॉर्म पर सिर्फ नई कहानियां ही नहीं दिखाई जाएंगी, बल्कि दोनों प्रोडक्शन हाउस के पास पहले से मौजूद कहानियों और फिल्मों से जुड़े कंटेंट का भी इस्तेमाल किया जाएगा. इसके साथ ही कुछ कहानियां खास तौर पर इस प्लेटफॉर्म के लिए तैयार की जाएंगी. यानी दर्शकों को पुराने कंटेंट के साथ कुछ नया देखने का मौका भी मिलेगा.

यूट्यूब और डिजिटल क्रिएटर्स भी आएंगे साथ

इस वेंचर में कई जाने-माने डिजिटल और यूट्यूब क्रिएटर्स को जोड़ने की तैयारी है. इनके साथ खास समझौते किए जाएंगे, ताकि वे अपने कंटेंट और दर्शकों के साथ इस नए प्लेटफॉर्म का हिस्सा बन सकें. इससे डिजिटल दुनिया में पहले से लोकप्रिय चेहरों को भी नई कहानियों के जरिए दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा.

बड़ी टेलीकॉम कंपनी भी करेगी मदद

इस प्लेटफॉर्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी को भी साथ जोड़ा गया है. इसका मकसद है कि मोबाइल पर वीडियो देखने वाले ज्यादा से ज्यादा दर्शक इस कंटेंट तक आसानी से पहुंच सकें. हालांकि, अभी इस कंपनी का नाम सामने नहीं आया है.

क्या होता है माइक्रोड्रामा

माइक्रोड्रामा ऐसे छोटे वीडियो एपिसोड होते हैं, जिनमें कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है. आमतौर पर हर एपिसोड में कोई नया मोड़ या दिलचस्प बात देखने को मिलती है, जिससे दर्शक अगला हिस्सा देखने के लिए उत्सुक रहते हैं. इसे खास तौर पर मोबाइल पर देखने के हिसाब से बनाया जाता है. इस नए प्लेटफॉर्म की खासियत यह होगी कि यहां सिर्फ छोटे वीडियो नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और बेहतर प्रोडक्शन के साथ तैयार किया गया कंटेंट दिखाया जाएगा. आमिर खान प्रोडक्शंस और एक्सेल एंटरटेनमेंट की कोशिश है कि फिल्मों जैसी कहानी कहने का अंदाज छोटे एपिसोड में भी देखने को मिले.

जल्द हो सकता है आधिकारिक ऐलान

फिलहाल इस प्लेटफॉर्म के नाम और लॉन्च की तारीख को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है. आने वाले कुछ हफ्तों में इसके नाम, लॉन्च की योजना और कंटेंट से जुड़ी दूसरी बातें बताई जा सकती हैं. ऐसे में देखना होगा कि आमिर खान और फरहान अख्तर की यह नई पहल डिजिटल मनोरंजन की दुनिया में क्या बदलाव लाती है.



अच्छी कहानी और बड़े कलाकार भी नहीं बचा पा रहे टीवी शोज

टेलीविजन पर पहले कई शो कई साल चलते थे। दर्शक उनसे जुड़ जाते थे और किरदार घर-घर में पहचाने जाने लगते थे। अब ऐसा कम देखने को मिलता है। अच्छी कहानी और जाने-माने कलाकार होने के बाद भी किसी शो का भविष्य तय नहीं होता। अभिनेता अक्षय म्हात्रे भी मानते हैं कि पिछले कुछ साल में टीवी की दुनिया बदली है। अब अच्छे कंटेंट और कलाकारों के बावजूद किसी शो के लंबे चलने की गारंटी नहीं है।

अक्षय ने बातचीत में टीवी इंडस्ट्री के इस बदलाव पर बात की। उन्होंने बताया कि ओटीटी के आने से टीवी के सामने चुनौती जरूर बढ़ी है, लेकिन सोशल मीडिया फॉलोअर्स से लेकर दूसरे माध्यमों में काम पाने तक कलाकारों को कई बातों का ध्यान रखना पड़ता है। अक्षय इन दिनों शो 'हमारी राधा' में नजर आ रहे हैं। शो ने हाल ही में 100 एपिसोड पूरे किए हैं। कहानी, कलाकार, केमिस्ट्री तीनों हैं जरूरी टीवी शो के 100 एपिसोड पूरे करने के लिए क्या सबसे ज्यादा जरूरी है? इस पर अक्षय कहते हैं, 'अच्छी कहानी, कलाकारों की केमिस्ट्री और टीआरपी, ये सभी चीजें जरूरी हैं। लेकिन कई बार इन सबके होने के बावजूद शो नहीं चलता। मुझे लगता है कि मेहनत के साथ किस्मत की भी भूमिका होती है। सबसे बड़ी बात दर्शक हैं। आप अंदाजा नहीं लगा सकते कि उन्हें कौन सा किरदार पसंद आ जाएगा या वे किस कहानी से जुड़ जाएंगे। आखिर में दर्शक ही तय करते हैं कि कौन सा शो 100 एपिसोड पूरे करेगा और कौन इतिहास बनाएगा। सेट का माहौल और शो का फॉर्मेट भी मायने रखता है।'

टीवी इंडस्ट्री पर बोले अक्षय

टीवी इंडस्ट्री में आए बदलाव पर अक्षय कहते हैं, 'कंटेंट के मामले में टेलीविजन काफी आगे बढ़ा है। अब शो मनोरंजन के साथ सामाजिक मुद्दों को भी उठाते हैं। लेकिन पहले आमतौर पर शो एक-दो साल तक चलते थे। कोविड के बाद दर्शकों की पसंद बदली है। आज अच्छे कंटेंट और प्रतिभाशाली कलाकार होने के बाद भी शो के लंबे चलने की गारंटी नहीं है। मुझे उम्मीद है कि अच्छा कंटेंट देर-सवेर अपने दर्शक ढूंढ ही लेगा।'

ओटीटी से बढ़ी प्रतिस्पर्धा, फिर भी टीवी की अपनी जगह

ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से दर्शकों के पास मनोरंजन के कई विकल्प हैं। ऐसे में टीवी के लिए चुनौती बढ़ना स्वाभाविक है। अक्षय भी इससे इनकार नहीं करते। वह कहते हैं, 'आज दर्शकों के पास पहले से कहीं ज्यादा कंटेंट है। लेकिन टीवी का एक वफादार दर्शक वर्ग भी है। बहुत से लोगों के लिए टेलीविजन रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। उनका इससे अलग जुड़ाव है। इसलिए ओटीटी से प्रतिस्पर्धा बढ़ने के बावजूद टीवी की अपनी जगह बनी हुई है।'

फॉलोअर्स देखकर भी मिलने लगा है काम सोशल मीडिया पर कलाकारों के फॉलोअर्स की संख्या भी अब उनके काम से जुड़ गई है। क्या किसी कलाकार के लिए फॉलोअर्स उतने ही जरूरी हो गए हैं जितनी उसकी अभिनय क्षमता? इस पर अक्षय कहते हैं, 'आज सोशल मीडिया फॉलोअर्स की अहमियत बढ़ी है। इससे कलाकार को पहचान मिलती है और करियर की शुरुआत में काम मिलने में भी मदद हो सकती है। लेकिन लंबे समय तक टिके रहने के लिए प्रतिभा और मेहनत जरूरी है। इंडस्ट्री में आपके रिश्ते और काम के जरिए बनी पहचान भी मायने रखती है।'

काम की अनिश्चितता भी झेलते हैं कलाकार

टीवी पर कलाकारों की जिंदगी जितनी आसान दिखती है, काम के दौरान ऐसा नहीं होता। 'लंबे काम के घंटे, लगातार मेहनत और काम में बनी रहने वाली अनिश्चितता ऐसी चीजें हैं, जो दर्शकों को दिखाई नहीं देतीं। टेलीविजन ने मुझे कई अच्छे मौके और किरदार दिए हैं। इसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।

लेकिन यह आसान पेशा नहीं है। यहां अच्छे दिनों के साथ मुश्किल दिन भी आते हैं। धैर्य रखना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी होती है। बाहर से यह काम जितना ग्लैमरस दिखता है, पर्दे पर आने वाले नतीजे के पीछे उतनी ही मेहनत होती है।'

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार, 33 जिलों के 1,606 केंद्रों में शुरू हुआ उपार्जन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में शामिल होने धरमजयगढ़ पहुंचे और खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल की उपस्थिति में धान खरीदी का शुभारंभ किया। राज्य सरकार ने इस वर्ष किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने की व्यवस्था की है। किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ 13,839 रुपये की पूरी आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस निर्णय से विशेष रूप से कम उत्पादन वाले जनजातीय एवं वनांचल क्षेत्रों के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कई बार कम उत्पादन अथवा अन्य परिस्थितियों के कारण किसान निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ के अनुपात में धान नहीं बेच पाते। ऐसी स्थिति में भी पात्र किसानों को उनके सत्यापित रकबे के आधार पर पूरी आदान सहायता राशि मिलेगी। उदाहरण के तौर पर यदि कोई पात्र किसान प्रति एकड़ 15 क्विंटल धान बेचता है, तो शेष 6 क्विंटल के बराबर की आदान सहायता राशि भी उसे प्रदान की जाएगी। इस प्रकार किसानों को प्रति एकड़ 13 हज़ार 839 रुपये की पूरी निर्धारित सहायता मिलेगी। राज्य सरकार किसानों की आर्थिक समृद्धि और उनकी मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।



प्रदेश के 3,095 उपार्जन केंद्रों में खरीदी की व्यापक व्यवस्था- राज्य सरकार द्वारा इस खरीफविपणन वर्ष में प्रदेश के लगभग 27 लाख 50 हजार किसानों से धान खरीदी के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रदेश के 33 जिलों में कुल 3,095 धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था की गई है। 15 नवंबर 2026 की स्थिति में इनमें से 2,805 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं, जबकि 1,606 केंद्रों में धान खरीदी प्रारंभ हो गई है। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक कुल 1,98,364.80 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। इसमें 1,10,979.20 क्विंटल मोटा धान, 80,489.60 क्विंटल पतला धान तथा 6,896 क्विंटल सरना धान शामिल है।

धान खरीदी में बालोद और राजनांदगांव जिले सबसे आगे- जिलेवार आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में धान खरीदी की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बालोद जिले में 161 उपार्जन केंद्रों में से सभी 161 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं तथा 123 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हो गई है। यहां अब तक सर्वाधिक 24,676 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। राजनांदगांव जिले के 122 उपार्जन केंद्रों में सभी केंद्रों में टोकन जारी किए गए हैं तथा 115 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 26,464.40 क्विंटल धान का उपार्जन दर्ज किया गया है। महासमुंद जिले में 202 केंद्रों में से 201 में टोकन जारी हुए तथा 176 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है। यहां 20,444.80 क्विंटल धान खरीदा गया है। धमतरी जिले में 108 केंद्रों में सभी में टोकन जारी हुए तथा 99 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 19,829.20 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है।

इसी प्रकार बेमेतरा जिले में 157 उपार्जन केंद्रों में सभी केंद्रों में टोकन जारी हुए तथा 118 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है।

यहां 16,320.40 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है। दुर्ग जिले में 123 केंद्रों में सभी में टोकन जारी हुए तथा 83 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 13,952.80 क्विंटल धान खरीदा गया है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में 72 केंद्रों में सभी में टोकन जारी हुए तथा 71 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है। यहां 11,871.60 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ हैद्य बलौदाबाजार- भाटापारा जिले में 181 केंद्रों में से 178 में टोकन जारी किए गए हैं तथा 116 केंद्रों में खरीदी शुरू हुई है। यहां 10,004.40 क्विंटल धान खरीदा गया है। रायपुर जिले में 159 केंद्रों में से 158 में टोकन जारी हुए तथा 129 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 9,365.60 क्विंटल धान का उपार्जन दर्ज किया गया है। कवर्धा जिले में 144 उपार्जन केंद्रों में से 141 में टोकन जारी किए गए हैं तथा 80 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है। यहां 7,386 क्विंटल धान खरीदा गया है। गरियाबंद जिले में 97 केंद्रों में सभी केंद्रों में टोकन जारी हुए तथा 92 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 6,743.60 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। बलरामपुर जिले में 54 केंद्रों में से 50 में टोकन जारी हुए तथा 34 केंद्रों में खरीदी शुरू हुई है।

अपनत्व से रोशन हुई बुजुर्गों की दीपावली

रायपुर । विगत 35 वर्षों से जारी गौरवपूर्ण समाज सापेक्ष परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी प्रदेश की प्रतिष्ठित सामाजिक व साहित्यिक संस्था द्वारा दीपावली की खुशियों को समाज के जरूरतमंद तबकों तक पहुंचाने का कार्य जारी है द्य इस क्रम में 9 से 12 नवंबर तक निचली बस्तियों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं गरीब बच्चों के मध्य सहायता कार्य संपन्न हुआ द्य इस क्रम में 13 नवम्बर की रात्रि संजीवनी वृद्धाश्रम, कोटा, रायपुर में निवासरत बुजुर्गों के मध्य दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया द्य÷ एक दिवाली -खुशियों वाली÷ शीर्षक के अंतर्गत संपन्न इस आयोजन में दियों, मिठाईयों, पटाखों व रात्रि भोज के साथ राजधानी के प्रबुद्धजनों ने 3 घंटे वृद्धजनों के साथ दीपावली की खुशियां शेयर की द्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छ ग संनिर्माण एवं कर्मकार मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुशील सन्नी अग्रवाल थे द्य वरिष्ठ साहित्यकार शुभा शुक्ला ÷ निशा÷ द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई द्य युवा संस्था के एम राजीव दैनिक



दबंग स्वर के प्रधान संपादक पंडित पी के तिवारी,अंतर्राष्ट्रीय कवयित्री उर्मिला देवी एवं वरिष्ठ साहित्यकार चेतन भारती विशिष्ट अतिथि की आसंदी पर सुशोभित थे द्य कार्यक्रम के दौरान वक्ता मंच की संरक्षिका श्रीमती ज्योति शुक्ला के जन्मदिन को उत्सवित भी किया गया द्य इस अवसर पर राजेश पराते, शुभम साहू, विवेक बेहरा,पूर्णेश डडसेना, मनीष अवस्थी, चेतन भारती, युवा संस्था के एम राजीव, अजय त्रिपाठी, चंद्रकला त्रिपाठी, देव मानिकपुरी, नुपुर साहू, मो. हुसैन, डॉ उमा स्वामी, बलजीत कौर,डॉ इंद्रदेव यदु, प्रभात यदु, प्रशांत यदु, राजाराम रसिक, टुमिन साहू, डॉ गोपा शर्मा, उत्तम देवहरे, यशवंत यदु, रितेश साहू, सुषमा बंजारी, अचला श्रीवास्तव, रुमझुम शर्मा, रशीदा खान, हरी राम यदु, राम जीवन यदु, राजकुमार साहू, जयश्री, फ्लेंद्र साहू, संतोष धीवर, मंगलू यादव, चंद्रकांत वैष्णव, गोविंद तिवारी सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित थे द्य कार्यक्रम का प्रभावी संचालन वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते एवं संयोजन मंच के संयोजक शुभम साहू द्वारा किया गया द्य इस कड़ी में रविवार 15 नवंबर को शाम 7 बजे प्रशामक देख रेख गृह सुंदर नगर मे भी दीपावली की खुशियां बांटी जायेगी ।

नर्सिंग केवल रोजगार का माध्यम नहीं, मानवता की सेवा और पुण्य का कार्य : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले की ग्राम पंचायत आरा में नर्सिंग कौशल कॉलेज का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आरा में स्थापित यह संस्थान विशेष रूप से जनजातीय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की बेटियों के लिए आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य की नई राह खोलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नर्सिंग केवल नौकरी या रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा और पुण्य का कार्य है। मरीजों की देखभाल, उनके उपचार और जीवन की रक्षा में डॉक्टरों के साथ नर्सिंग कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं से पूरी



लगन, अनुशासन, संवेदनशीलता और सेवाभाव के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया। छत्तीसगढ़ शासन और पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त उद्यम प्रचेत फाउंडेशन के माध्यम से स्थापित इस संस्थान में दो वर्षीय एएनएम नर्सिंग पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कॉलेज की सभी 120 सीटों पर छात्राओं का प्रवेश पूर्ण हो चुका है। विशेष बात यह है कि यहां अध्ययनरत लगभग 90 प्रतिशत छात्राएं जनजातीय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से हैं। आधुनिक प्रयोगशालाओं, छात्रावास और अन्य आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित इस संस्थान में छात्राओं को सैद्धांतिक शिक्षा के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद छात्राओं को प्रतिष्ठित अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

जनजातीय गौरव दिवस और छठ महापर्व के पावन अवसर पर बेटियों को मिली नई सौगात- मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का दिन दो महत्वपूर्ण पर्वों के कारण विशेष और पावन है। आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने के उद्देश्य से उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की पहल की है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वर्चुअल माध्यम से देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए छठ महापर्व की भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि सूर्यदेव और छठी मैया की उपासना का यह महान पर्व आस्था, श्रद्धा, तपस्या और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। ऐसे पावन अवसर पर नर्सिंग कौशल कॉलेज का शुभारंभ होना अत्यंत सुखद और सौभाग्य का विषय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस महत्वपूर्ण संस्थान की स्थापना और संचालन में योगदान देने वाले पैन आईआईटी एलुमनी के चेयरमैन एवं सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रथम बैच की सभी 120 छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्थान उनके सपनों को साकार करने और जीवन में आगे बढ़ने का सशक्त माध्यम बनेगा।

शराब घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, विट्ठल कॉलोनी के 355 भूखंडों पर कब्जा

रायपुर/दुर्ग। छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने संपत्तियों के विरुद्ध कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के कुम्हारी स्थित विट्ठल कॉलोनी के 355 भूखंडों को अपने कब्जे में ले लिया है। इनकी अनुमानित कीमत करीब 61 करोड़ रुपये बताई गई है। यह कॉलोनी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल से जुड़ी बताई जा रही है। कार्रवाई के बाद ईडी ने कॉलोनी के मुख्य प्रवेश द्वार पर आधिकारिक सूचना चस्पा कर दी है।

जांच एजेंसी के अनुसार, कथित शराब घोटाले से अर्जित अवैध धन का उपयोग इन भूखंडों की खरीद में किया गया था। धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत संपत्तियों की कुर्की को निर्णायक प्राधिकरण से मंजूरी मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

385 में से 355 भूखंड ईडी के कब्जे में- कुम्हारी की विट्ठल कॉलोनी में कुल 385 भूखंड हैं। इनमें से 30 भूखंड पहले ही बेचे जा चुके हैं, इसलिए उन्हें मौजूदा कार्रवाई में शामिल नहीं किया गया है। शेष 355 भूखंडों पर ईडी ने कब्जा लिया है। इनमें एक व्यावसायिक भूखंड भी शामिल बताया गया है। कॉलोनी के मुख्य द्वार पर सूचना चस्पा कर एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित संपत्तियां अब उसकी कार्रवाई के दायरे में हैं। ईडी करीब तीन हजार करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले की जांच कर रही है। एजेंसी का आरोप है कि शराब कारोबार में कथित अवैध वसूली से प्राप्त धन को अचल संपत्तियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश किया गया। जांच एजेंसी ने चैतन्य बघेल पर कथित शराब सिंडिकेट के शीर्ष स्तर पर सक्रिय रहने और अवैध लेन-देन का हिसाब रखने के आरोप लगाए हैं। इसी आधार पर उनसे जुड़ी संपत्तियों को कुर्की की कार्रवाई में शामिल किया गया है। हालांकि, ये आरोप जांच एजेंसी के हैं और मामले में कानूनी प्रक्रिया जारी है। विट्ठल कॉलोनी की संपत्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया 10 नवंबर 2025 को शुरू हुई थी। इस दिन ईडी ने अस्थायी कुर्की का आदेश जारी किया था। इसके बाद 8 दिसंबर 2025 को निर्णायक प्राधिकरण के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की गई। 19 मार्च 2026 को मामले की सुनवाई हुई और 23 मार्च 2026 को प्राधिकरण ने संपत्तियों की कुर्की को मंजूरी दे दी। इसी स्वीकृति के आधार पर अब 355 भूखंडों पर कब्जे की कार्रवाई की गई है। ईडी इससे पहले चैतन्य बघेल के भिलाई-3 स्थित मानसरोवर आवासीय परिसर के मकान की बाहरी दीवार पर भी कुर्की आदेश की प्रतियां चस्पा कर चुकी है। निर्णायक प्राधिकरण के आदेश में अलग-अलग स्थानों पर स्थित अचल संपत्तियों के साथ बैंक खातों में जमा राशि और सावधि जमा का भी उल्लेख किया गया है। इन संपत्तियों में भिलाई-3 की 1.64 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्ति, भिलाई स्थित आवासीय मकान, दुर्ग की व्यावसायिक संपत्ति और पाटन तहसील के ग्राम कुरुडीह की कृषि भूमि शामिल बताई गई है। धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत निर्णायक प्राधिकरण के आदेश के विरुद्ध संबंधित पक्ष को अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील करने का अधिकार है। इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 45 दिनों की समय-सीमा का प्रावधान है। हालांकि, मार्च 2026 में जारी आदेश के विरुद्ध अपील की वर्तमान स्थिति स्पष्ट नहीं है।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी रायगढ़ के कयाघाट में छठ महापर्व के संध्या अर्घ्य में हुए शामिल

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी आज लोक आस्था, श्रद्धा और पवित्रता के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर रायगढ़ के जूटमिल स्थित कयाघाट पहुंचे। यहां उन्होंने छठ महापर्व के तीसरे दिन आयोजित संध्या अर्घ्य में सम्मिलित होकर व्रती माताओं-बहनों एवं क्षेत्रवासियों को छठ पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छठी मइया एवं भगवान सूर्यदेव से सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य, समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छठ महापर्व हमारी समृद्ध लोक परंपरा, अटूट आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। सूर्य उपासना का यह पावन पर्व हमें संयम, अनुशासन, पवित्रता और समर्पण की प्रेरणा देता है। अस्ताचलगामी



और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने की यह अनूठी परंपरा प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध को दर्शाती है। माताएं एवं बहनें अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान के कल्याण और उत्तम स्वास्थ्य की कामना के साथ श्रद्धापूर्वक उन्होंने कहा कि छठ महापर्व में व्रती व्रत रखती हैं। यह पर्व पारिवारिक स्नेह, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे की भावना को और मजबूत करता है। छठ पूजा हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के साथ ही प्रकृति के संरक्षण और स्वच्छता का संदेश भी देती है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में छठ महापर्व के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं की सुंदर अभिव्यक्ति है। छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का एकत्रित होना और सामूहिक रूप से भगवान सूर्यदेव की आराधना करना सामाजिक एकता एवं सद्भाव का अनुपम उदाहरण है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सभी व्रती माताओं-बहनों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए प्रार्थना की कि छठी मइया का आशीर्वाद सभी के परिवारों पर सदैव बना रहे। भगवान सूर्यदेव की कृपा से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों और प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य एवं समृद्धि का संचार हो।

महिला पेंशनर्स सम्मेलन में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को मुख्य अतिथि बनाने का आमंत्रण, स्मृति ईरानी को मुख्य वक्ता के रूप में बुलाने का आग्रह

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सांसद रूपकुमारी चौधरी से चर्चा कर स्मृति ईरानी को आमंत्रित करने का दिया आश्वासन

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव के नेतृत्व में महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े से उनके शासकीय आवास पर सौजन्य भेंट की। इस दौरान आगामी 20 दिसंबर 2026 को रायपुर के विमतारा भवन, शांतिनगर में आयोजित होने वाले महिला सीनियर सिटीजन पेंशनर्स कल्याण सम्मेलन-2026 में उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने हेतु सादर आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री श्रीमती राजवाड़े से आग्रह किया कि वे पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी को सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित करने के लिए भी सहयोग प्रदान करें। महासंघ की ओर से बताया गया कि यह आयोजन वरिष्ठ महिला पेंशनरों के सम्मान, अधिकार, सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में नारी शक्ति एवं वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका पर सार्थक विचार-विमर्श के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि



सम्मेलन में प्रदेशभर से वरिष्ठ महिला पेंशनरों, महिला पदाधिकारियों एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय महिलाओं की सहभागिता प्रस्तावित है। यह आयोजन वरिष्ठ महिलाओं के अनुभवों और उनके सामाजिक योगदान को सम्मान देने के साथ ही उनके अधिकारों एवं कल्याण से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। प्रतिनिधिमंडल के आग्रह पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सकारात्मक पहल करते हुए सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी से चर्चा करने तथा श्रीमती स्मृति ईरानी के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान महासंघ के इस आयोजन से उन्हें अवगत कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने स्वयं भी श्रीमती स्मृति ईरानी को सम्मेलन में आमंत्रित करने के संबंध में चर्चा करने का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव के साथ कार्यकारी प्रांताध्यक्ष जे.पी. मिश्रा, प्रदेश महामंत्री अनिल गोल्हानी, दैनिक वेतनभोगी पेंशनर्स कल्याण प्रकोष्ठ के संयोजक अनिल पाठक तथा जिला रायपुर के अध्यक्ष आर.जी. बोहरे शामिल थे। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ ने मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के सकारात्मक रुख एवं सहयोग के आश्वासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके सहयोग से यह सम्मेलन वरिष्ठ महिलाओं के सम्मान, अधिकारों और सामाजिक सरोकारों को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण आयोजन सिद्ध होगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com